संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 120
पृष्ठ 8
शनिवार
17 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में नहीं होते हाथ-पैर गर्म...

विचार- आवारा कुत्तों की समस्याः सख्ती...

खेल- क्या आसान प्रारूप होने की वजह से...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

नियम, संयम और अनुशासन से शरीर पर ध्यान देना होगा, नशे से दूर रहेंगे युवा

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी न किसी एक खेल को गोद लेकर उस खेल से जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें। सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल की गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा भी और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को

साकार करने में योगदान देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में उत्तर प्रदेश ने भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। तब खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे, कुंठित, हताश और निराश रहते थे। जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे अभियानों ने स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की प्रेरणा दी है। गांव–गांव तक खेल प्रतिभाओं को मंच दिया है। खेल की गतिविधियां अब जीवन के महत्वपूर्ण आयाम के रूप में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा ने खेलकूद को सदैव महत्व दिया है। भारत की ऋषि परंपरा के उद्घोष 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा जीवन के जितने भी साधन हैं, उन्हें स्वस्थ शरीर से ही प्राप्त किया जा सकता है। शरीर स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद की गतिविधियों से जुड़ना होगा। नियम, संयम और अनुशासन से शरीर पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही समाज और राष्ट्र को दृढ़ बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की की खेलकूद को तमाम परिवारों ने जीवन का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में बेटे–बेटी में भेदभाव नहीं है। आज बच्चा (बेटा या बेटी) जिस खेल में रुचि दिखाता है तो अभिभावक उसे उसमें प्रोत्साहित करते हैं, उसके अनुरूप संसाधन की व्यवस्था करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश के हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने के कार्य युद्धस्तर पर आगे बढ़े हैं। खेल की गतिविधियां अनौपचारिक न रहें, बल्कि दिनचर्या का हिस्सा बनें, इसके लिए सरकार ने 96000 से अधिक युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट वितरित किए हैं।

जयशंकर ने मजबूत द्विपक्षीय रिश्ते की अहमियत बताई

भारत और जापान प्रमुख लोकतंत्रा और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और जापान के रिश्तों में रणनीति, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के साथ अब खेल की साझा भावना भी जुड़ गई है। 18वें भारत–जापान रणनीतिक संवाद के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के बीच गंभीर वैश्विक मुद्दों के साथ हल्के–फुल्के क्षण भी देखने को मिले। इस बैठक में भारत ने स्पष्ट किया कि अनिश्चित वैश्विक माहौल में आर्थिक सुरक्षा अब कूटनीति का केंद्र बिंदु बन चुकी है। जयशंकर ने एक्स पर जापानी भाषा में एक भी पोस्ट किया। इस पर जयशंकर ने कहा कि जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आज जब हम इंडिया–जापान स्ट्रेटेजिक डायलॉग कर रहे हैं, तो मुझे यह जानकर और भी खुशी हो रही है कि मेरी तरह, मंत्री मोतेगी भी क्रिकेट के शौकीन हैं। वहीं, वार्ता में जयशंकर ने अपने शुरुआती वक्तव्य में कहा कि भारत जापान के साथ साझेदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों में दोनों देशों का रिश्ता केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह व्यापक, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में बदल चुका है। भारत और जापान प्रमुख लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, इसलिए वैश्विक व्यवस्था को आकार देने की जिम्मेदारी भी दोनों पर है। जयशंकर ने इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के संदर्भ में साझा सोच पर जोर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे का 2007 में भारतीय संसद में दिया गया 'कनफ्लुएंस ऑफ द टू सीज' भाषण आज के इंडो–पैसिफिक ढांचे की नींव बना। जयशंकर के अनुसार, भारत की 'महासागर' पहल और जापान का 'फ्री एंड ओपन इंडो–पैसिफिक' दृष्टिकोण एक–दूसरे के पूरक हैं। रणनीतिक संवाद के बीच एक हल्का पल तब आया जब जयशंकर ने बताया कि उन्हें मोतेगी में क्रिकेट के प्रति गहरी रुचि देखने को मिली। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि उन्होंने जापान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की जर्सी प्राप्त की और बदले में भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा हस्ताक्षरित बल्ला भेंट किया। जयशंकर ने मुस्कुराते हुए कहा कि वे भविष्य में जापान में उनके साथ क्रिकेट मैच देखने की उम्मीद रखते हैं।

बिना हाई–प्रोफाइल मुकाबलों के भी हो रही इन नामों की चर्चा

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में इस बार भले ही बड़े दिग्गज नेताओं की टक्कर रही हो, लेकिन कई अनोखी और चौंकाने वाली जीतों ने पूरे राज्य और देश का ध्यान खींच लिया है। कहीं एक ही परिवार के तीन सदस्यों की जीत चर्चा में रही, तो कहीं गंभीर आपराधिक मामले में आरोपी उम्मीदवार की जेल से जीत ने नई बहस छेड़ दी है। जलगांव नगर निगम चुनाव में कोल्हे परिवार ने इतिहास रच दिया। परिवार के तीन सदस्यों ने अलग–अलग वार्डों से जीत दर्ज की।शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और पूर्व महापौर ललित कोल्हे ने जेल में रहते हुए चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। वहीं उनके बेटे पीयूष कोल्हे ने अपने राजनीतिक करियर का पहला चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया। जैसे ही जीत की खबर सामने आई, ललित कोल्हे की पत्नी और शिंदे सेना की महिला विंग की प्रमुख सरिता कोल्हे भावुक हो गईं और खुशी के आंसू बहाते हुए बेटे को गले लगा लिया। यह दृश्य सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। जालना नगर निगम चुनाव में पत्रकार गौरी लंकेश हत्याकांड के आरोपी श्रीकांत पंगारकर ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में वार्ड नंबर 13 से जीत दर्ज की। उन्होंने भाजपा समेत अन्य दलों के उम्मीदवारों को 2,621 वोटों के अंतर से हराया। खास बात यह रही कि इस वार्ड से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा, जिससे मुकाबला बहुकोणीय हो गया। श्रीकांत पंगारकर के खिलाफ मामला अभी अदालत में लंबित है। जीत के बाद उन्होंने कहा कि अब तक उनके खिलाफ कोई सजा नहीं हुई है और कानूनी प्रक्रिया जारी है।

नेशनल स्टार्टअप डे पर बोले प्रधानमंत्री मोदी,कहा-

इस विकास यात्रा को नए और विकसित होते भारत के भविष्य का आधार

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले एक दशक में एक सीमित विचार से निकलकर राष्ट्र निर्माण के सबसे बड़े स्तंभ के रूप में उभरा है।

नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विकास यात्रा को नए और विकसित होते भारत के भविष्य का आधार बताया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का समूह वास्तव में भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप आंदोलन की विनम्र शुरुआत को याद करते हुए बताया कि लगभग 10 साल पहले, इस कार्यक्रम की नींव विज्ञान भवन में रखी गई थी। उस समय यह पहल बहुत छोटी थी और इसमें भाग

लेने वाले नौजवानों की संख्या महज 500 से 700 के बीच थी।

पीएम मोदी ने कहा, आज इस परिदृश्य में आया बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या और उनके विस्तार ने आयोजन स्थल को विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक पहुँचा दिया है। प्रधानमंत्री के अनुसार, आज स्थिति यह है कि भारत मंडपम जैसे विशाल आधुनिक केंद्र में भी स्टार्टअप उत्साहियों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। यह बदलाव केवल स्थान का नहीं, बल्कि भारत की नवाचार क्षमता और वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स की स्वीकार्यता का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत–बहुत सराहना करता हूं।

आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों–लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है। आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चौलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में स्टार्टअप को लेकर समाज और परिवारों के दृष्टिकोण में आए बदलाव पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

उन्होंने 10 साल पहले की एक घटना का उदाहरण साझा किया, जिसमें एक युवती ने कॉरपोरेट जगत की सुरक्षित नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू करने का फैसला लिया था।

जब वह अपनी मां को यह जानकारी देने कोलकाता गई, तो उसकी मां की प्रतिक्रिया थी, सर्वनाश... तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही हो!। यह वाकया उस समय स्टार्टअप को लेकर देश में व्याप्त गहरी असुरक्षा और संशय की भावना को दर्शाता है। स्टार्टअप को तब करियर के एक अस्थिर विकल्प और आर्थिक शविनाशश के रूप में देखा जाता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। प्रधानमंत्री ने गर्व के साथ बताया कि जिस स्टार्टअप को कभी बर्बादी की राह माना जाता था, आज वही देश के विकास की मुख्यधारा है। स्टार्टअप इंडिया की सफलता ने न केवल आर्थिक अवसर पैदा किए हैं, बल्कि समाज में नौकरी चाहने वाले से नौकरी देने वाले की संस्कृति विकसित की है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीर यशवंत वर्मा की याचिका खारिज की

महाभियोग जांच को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके महाभियोग के लिए गठित जांच समिति के फैसले को चुनौती दी थी। जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन असंवैधानिक है क्योंकि श्रनकहमे प्दुनपतल ।बज, 1968 की धारा 3(2) के अनुसार यह समिति संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा द्वारा महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकारे जाने के बाद ही गठित की जा सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि उस समय राज्यसभा के उपाध्यक्ष द्वारा यह कार्रवाई की गई थी जो कि अवैध थी क्योंकि वह आधिकारिक रूप से राज्यसभा के अध्यक्ष के पद का अधिकार नहीं

रखते थे। हालांकि पीठ ने स्पष्ट कर दिया कि स्पीकर द्वारा समिति का गठन कोई गैरकानूनी कार्रवाई नहीं है और इस में किसी प्रकार की विधिक खामी नहीं पाई गई है। पीठ का कहना था कि न्यायाधीश के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया और सांसदों के स्वतंत्र अधिकारों के बीच एक सावधानीपूर्ण संतुलन बनाना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि जस्टिस वर्मा को कोई राहत नहीं दी जा सकती और इस मामले में अदालत का दखल आवश्यक नहीं है।

हम आपको याद दिला दें कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ था जब मार्च 2025 में दिल्ली के अपने आधिकारिक आवास में लगी आग के दौरान बड़ी मात्रा में जली हुई नकदी मिलने के बाद उनके खिलाफ आरोप लगाए गए थे। इसके बाद एक इन–हाउस जांच समिति ने जस्टिस वर्मा की कदाचार की कथित भूमिका को स्वीकार किया और सिफारिश की कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। इसके बाद लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया और लोकसभा अध्यक्ष द्वारा जांच के लिए संसदीय समिति गठित की गई।

जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में यह भी कहा था कि जब वह घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे और उस स्थान पर बरामद नकदी उनके रोजमर्रा के उपयोग के हिस्से में नहीं थी तब उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराना अनुचित है। उन्होंने अग्निशमन विभाग, पुलिस और अन्य अधिकारियों को ही जिम्मेदार बताया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करते हुए यह भी देखा कि न्यायाधीश की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संसदीय जांच समिति की संवैधानिक भूमिका के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। न्यायपालिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि संसदीय समिति द्वारा जांच का अधिकार और स्पीकर का निर्णय विधिक रूप से जाँचा जा चुका है और इसमें कोई अनुचितता नहीं है।

बीएमसी चुनाव पर राउत के आरोपों से मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के संचालन पर गंभीर आरोप लगाते हुए मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, इलेक्ट्रॉनिक

वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की खराबी और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का दावा किया। परिणाम दिवस पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि मुंबई में जो मतदान पैटर्न देखने को मिल रहा है वह एक गंभीर मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन क्षेत्रों में हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), महाराष्ट्र नवीन निर्माण सेना (एमएनएस) और कांग्रेस को पारंपरिक रूप से मजबूत समर्थन प्राप्त है।

माघ मेले में संतों की पसंद बनीं करोड़ों की गाड़ियां

डिफेंडर और पोर्शे को लेकर सतुआ बाबा चर्चा में

प्रयागराज। भक्तों को त्याग, संयम, जप, तप, दान और संतोष की सीख देने वाले साधु संत खुद आलीशान लाइफ स्टाइल में जी रहे हैं। मेले में आए जगद्गुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा अपनी करोड़ों की कीमत की लक्जरी कारों को लेकर काफी चर्चा में हैं।

माघ मेले में आए साधु–संतों के वैभव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कई संतों की पसंद करोड़ों की कार है। मेले में जगद्गुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा डिफेंडर कार से पहुंचे तो वह पूरे मेले में आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। लोगों में यह चर्चा तेज है कि ध्यान, तप, योग, साधना, त्याग और जप को जीवन का आधार बनाने का संदेश देने वाले बाबा खुद लक्जरी गाड़ियों के फैन कैसे बन गए हैं। वह गाड़ियों का मोह माया क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं। जो बाबा एक झटके पर परिवार और सांसारिक मोह माया को छोड़ दिया वह कार, महंगा चश्मे और आलीशान लाइफ स्टाइल का मोह क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं।

माघ मेले में जहां एक ओर साधना और अध्यात्म की छवि दिखाई देती है, वहीं सतुआ बाबा की महंगी गाड़ियों की मौजूदगी ने आधुनिकता और अध्यात्म का संगम कर दिया है। इसको लेकर नई बहस भी छेड़ दी है। समर्थक इसे साधु की गरिमा और आशीर्वाद का प्रतीक बता रहे हैं, तो आलोचक सवाल भी उठा रहे हैं। लेकिन फिलहाल, माघ मेले में सबसे ज्यादा चर्चित नामों में सतुआ बाबा शामिल हैं। इसके साथ ही उनकी डिफेंडर और पोर्शे कार भी चर्चा में हैं।

सतुआ बाबा पीठ के प्रमुख जगद्गुरु महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा अपने ठाट–बाट, काफिले और महंगी गाड़ियों को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने लैंड रोवर की डिफेंडर कार के बाद अब करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक की पोर्शे कार भी सतुआ बाबा के काफिले में शामिल हो गई है। माघ मेला क्षेत्र स्थित उनके शिविर में जब पोर्शे कार पहुंची तो उसका विधि–विधान से पूजन किया गया। इसे देखने के लिए लोगों की काफी भीड़ रही। महंगी गाड़ियों के शौकीन सतुआ बाबा इसे अपने गुरु का आशीर्वाद मानते हैं।

देश के 111वें व्यक्ति हैं सतुआ बाबा जिनके पाश है पोर्शे

बतौर सतुआ बाबा यह कार देश में सिर्फ 110 लोगों के पास है। वह 111वें व्यक्ति हैं जिन्हें इस गाड़ी पर सवार होने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा उनके पास डिफेंडर, फॉर्च्यूनर, इनोवा, बोलेरो, स्कॉर्पियों एन सहित दस लग्जरी कारें हैं। गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज के पास भी कई लग्जरी गाड़ियां हैं। वह अक्सर काफिले के साथ ही निकलते हैं।

सतुआ बाबा का काशी में है मुख्य आश्रम

काशी के मणिकर्णिका घाट पर सतुआ बाबा का स्थायी आश्रम है। इस पीठ की स्थापना साल 1803 में हुई थी। ये पीठ गुजरात के रहने वाले संत जेठा पटेल ने की थी। जेठा पटेल संत बन गए थे और काशी आकर उन्होंने जिस आश्रम की स्थापना की, उस आश्रम के मुखिया को सतुआ बाबा कहते हैं। इस आश्रम में बटुकों को वैदिक शिक्षा दी जाती है। आज उसी पीठ के मुखिया संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा हैं।

11 साल में छोड़ा घर, 19 साल में बन गए महामंडलेश्वर

संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के साधारण ब्राह्मण परिवार से आते हैं। मात्र 11 साल की उम्र में परिवार छोड़ वो काशी आ गए। काशी में उनका जुड़ाव सतुआ बाबा से हो गया। वैष्णव संप्रदाय के निर्मोही अखाड़े से जुड़े इस पीठ के मुखिया ने संतोष दास की प्रतिभा देख उन्हें अपना उत्तराधिकारी बना दिया। संतोष दास मात्र 19 साल की उम्र में महामंडलेश्वर बन गए। ये अब तक के इतिहास में सबसे कम उम्र में दी गई महामंडलेश्वर की उपाधि थी।

साढ़े तीन लाख की बुलेट से चलते हैं

सतुआ बाबा के पास 3.5 लाख की एक बुलेट भी है, जिससे मेले में अक्सर वह अयोध्या के संत गोपालदास जी के साथ भ्रमण करते देखे जा रहे हैं। उनके साथ सुरक्षा अमला भी चलता है।

हालांकि, सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि कुछ महंत ऐसे हैं जो अन्न तक ग्रहण नहीं करते और कैंप के बाहर कुटिया में ही विश्राम करते हैं। हर बार शौचालय जाने के बाद स्नान करते हैं और पैदल गंगा स्नान के लिए जाते हैं।

अर्धनारीश्वर स्वरूप हैं किन्नर, करते हैं विशेष श्रृंगार, आराध्य हैं बहुचरा देवी

प्रयागराज। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि ने कहा कि किन्नरों को भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त है। भगवान राम ने किन्नरों को यह आशीर्वाद दिया है कि उनका दिया हुआ आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाएगा और वे शुभ अवसरों पर लोगों को आशीर्वाद दे सकेंगे।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि ने कहा कि किन्नरों को भगवान राम का आशीर्वाद प्राप्त है। भगवान राम ने किन्नरों को यह आशीर्वाद दिया है कि उनका दिया हुआ आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाएगा और वे शुभ अवसरों पर लोगों को आशीर्वाद दे सकेंगे। उनकी दुआएं फलित होंगी और उन्हें समाज में सम्मान मिलेगा, क्योंकि वे 14 साल तक वनवास के दौरान राम के साथ रुके थे और उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। जिससे प्रसन्न होकर भगवान राम ने उन्हें यह वरदान दिया था। कल्याणीनंद गिरि विशेष बातचीत कर रही थीं।

महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरि ने कहा कि किन्नर धरती पर भगवान शिव और पार्वती के अर्धनारीश्वर स्वरूप के प्रतीक हैं। हम सभी देवताओं की पूजा करते हैं लेकिन किन्नररों की आराध्य बहुचरा देवी हैं। जिनकी विशेष पूजा किन्नर समुदाय के द्वारा की जाती है। बहुचरा माता किन्नरों की कुलदेवी हैं। किन्नर समाज के लोग बिना की पूजा और आशीर्वाद के कोई शुभ काम नहीं करते हैं। गुजरात के मेहसाणा जिले में बहुचरा माता का प्रसिद्ध मंदिर है, जहां पर नवरात्रि में श्रद्धालुओं की बहुत भीड़ होती है। किन्नर समाज की मान्यता है कि बहुचरा माता उनकी रक्षा करती हैं। लोक मान्यताओं के अनुसार बहुचरा माता का जन्म चारण परिवार में हुआ था। उनको हिंगलाज माता का अवतार माना जाता है। वे किन्नर समाज को सुरक्षा देने वाली देवी हैं। संतान प्राप्ति के लिए भक्त बहुचरा देवी की पूजा और आराधना करते हैं।

किन्नर करते हैं विशेष श्रृंगार

कल्याणनंद गिरि ने बताया कि किन्नर भी सामान्य तरीके से श्रृंगार करते हैं लेकिन विशेष श्रृंगार करने में एक घंटे से अधिक समय लगता है। किन्नरों का विशेष श्रृंगार उनके जीवन का अहम हिस्सा है। उनकी पहचान और पूजा पद्धति का प्रतीक है, जिसमें वे स्वयं को मंदिर मानकर भव्य रूप धारण करते हैं। वे सिंदूर, चूड़ियां, और आभूषण पहनते हैं, विशेषकर बहुचरा माता और अरावन देवता के सम्मान में। जिसमें उनकी पवित्रता, तपस्या और जन कल्याण की भावना झलकती है। किन्नर अपने शरीर को एक पवित्र मंदिर मानते हैं और उसे भव्य रूप में रखते हैं, जो उनके श्रृंगार का आधार है। वे अपनी मांग में सिंदूर भरते हैं, जो उनके गुरु की लंबी आयु और उनके कुलदेवी के प्रति समर्पण का प्रतीक है। आभूषण, वस्त्र, चूड़ियों आदि विशेष प्रयोग अपने श्रृंगार में करते हैं। किन्नरों का श्रृंगार उनके गुरु और कुलदेवी के प्रति प्रेम और समर्पण को दर्शाता है। श्रृंगार और रूप लोगों को आशीर्वाद देने और शुभता लाने का एक माध्यम है।

13 दिनों में तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, मौनी अमावस्या पर उमड़ेगा सैलाब

प्रयागराज। मेला आरंभ होने से लेकर मकर संक्रांति पर्व तक बीते 13 दिनों में संगम में तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाई। इसमें पौष पूर्णिमा के दिन 31 लाख, मकर संक्रांति से पहले 85 लाख और मकर संक्रांति पर करीब एक करोड़ की संख्या शामिल हैं। मेला आरंभ होने से लेकर मकर संक्रांति पर्व तक बीते 13 दिनों में संगम में तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाई। इसमें पौष पूर्णिमा के दिन 31 लाख, मकर संक्रांति से पहले 85 लाख और मकर संक्रांति पर करीब एक करोड़ की संख्या शामिल हैं। इसके अलावा प्रतिदिन सात से आठ लाख लोगों ने स्नान किया। मकर संक्रांति पर संगम तट पर देश–विदेश से आस्था का जनसागर उमड़ पड़ा। हर–हर महादेव के गगनभेदी जयघोष के बीच श्रद्धालु संगम स्नान के लिए आगे बढ़ते रहे। संगम नोज पर पुलिस ने श्रद्धालुओं को जिस दिशा से वे आए, उसी के नजदीकी घाटों पर स्नान कराने की व्यवस्था की। मेला क्षेत्र के बाहर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी। सिर पर गठरी, कंधे पर बैग,

हाथों में बच्चों और महिलाओं को थामे श्रद्धालु संगम की ओर बढ़ते रहे। मौसम भी अनुकूल रहा, जिससे श्रद्धालुओं के उत्साह में और वृद्धि हुई।

व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए घाटों पर बालू की बोरियां रखी गईं। महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के चेंजिंग रूम की भी बेहतर व्यवस्था की गई थी। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जल में ही सूर्य को अर्घ्य दिया और घाट किनारे धूप, दीप व अगरबत्ती जलाकर पूजा–अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों से तिलक–चंदन लगवाया और गोदान भी किया। श्रद्धालुओं ने खुले धूप में बैठकर लाई, लड्डू, पूरी–सब्जी और चूड़ा का प्रसाद भी ग्रहण किया।

गंगाजल और रेती का प्रसाद लेकर लौटे श्रद्धालु

संगम स्नान के बाद घर लौटते वक्त श्रद्धालु संगम का पवित्र जल और रेती का प्रसाद ले जाते नजर आए। बिहार के सिवान से आईं सरस्वती देवी और केदारनाथ गुप्ता, दिल्ली की प्रियंका अग्रवाल और मोहित अग्रवाल, बंगाल की अनारी और मुनिया, मध्य प्रदेश के जगदीश रावत, राजस्थान के पिंटू चौधरी और महाराष्ट्र की रेनू भल्ला ने बताया कि वे स्नान के बाद गंगाजल साथ ले जा रहे हैं।

किन्नर अखाड़े में 10 से अधिक किन्नरों की हु ताजपोशी, साधना की कसौटी पर चुने जाते हैं महामंडलेश्वर

प्रयागराज। माघ मेले में किन्नर अखाड़ा अपने विस्तार की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से ओल्ड जीटी रोड स्थित मेला क्षेत्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 10 से 12 किन्नरों को महामंडलेश्वर, श्री महंत और महंत की उपाधि प्रदान की गई। माघ मेले में किन्नर अखाड़ा अपने विस्तार की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से ओल्ड जीटी रोड स्थित मेला क्षेत्र में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर 10 से 12 किन्नरों को महामंडलेश्वर, श्री महंत और महंत की उपाधि प्रदान की गई।

किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाए जाने के लिए केवल पद नहीं, बल्कि साधना, सनातन धर्म के प्रचार और समाजसेवा को प्रमुख आधार माना जाता है। अखाड़े से जुड़े संतों के अनुसार वही किन्नर इस पद के योग्य माने जाते हैं, जो लंबे समय से सनातन संस्कृति के प्रचार–प्रसार, धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हों। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने बताया कि 16 जनवरी को अखाड़े के विस्तार के तहत विभिन्न प्रदेशों से आए योग्य किन्नरों की ताजपोशी की गई। उन्होंने कहा कि अखाड़ा बनने के बाद किन्नर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास तेज हुआ है। आज अधिकांश किन्नरों के पास पहचान पत्र और आधार कार्ड हैं, ताकि वे समाज में सम्मान के साथ जीवन जी सकें। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणीनंद गिरी ने कहा कि धर्म, मर्यादा और सेवा भाव के साथ समाज को दिशा देने वाले किन्नरों को ही सर्वोच्च पद प्रदान किया जाता है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान के लिए देश के कोने–कोने से किन्नरों का आगमन जारी है। मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, पंजाब और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से अब तक सैकड़ों किन्नर मेला क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बार कुछ चर्चित हस्तियां भी महामंडलेश्वर की उपाधि से नवाजी गई हैं। प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी बृहस्पतिवार को मुंबई से फ्लाइट के माध्यम से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचीं। जहां बड़ी संख्या में शिष्यों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर महंत दुर्गादास महराज, उप्र किन्नर कल्याण बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि (किरन बाबा), महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां), महामंडलेश्वर स्वामी पूजा नंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी गिरिनारी नंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि, श्री महंत सरस्वती नंद गिरि आदि मौजूद रहे।

मेला क्षेत्र में लगी आग में झुलसकर डीएम के रिश्तेदार की मौत, सेक्टर पांच में देर रात उठीं लपटें

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर पांच में बड़ा हादसा हो गया। बृहस्पतिवार की रात टेंट में लगी आग में झुलसकर एक युवक की मौत हो गई। सरायइनायत इलाके का रहने वाला मानस मिश्रा मुजफ्फरनगर के डीएम उमेश मिश्रा का रिश्तेदार बताया जा रहा है। मेला एसपी नीरज कुमार पांडेय ने बताया मानस मिश्रा 90 फीसदी झुलस गया था। उसे एसआरएन अस्पताल ले जया गया जहां उसकी मौत हो गई।

माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर पांच के अन्नपूर्णा मार्ग स्थित एक टेंट में लगी आग से झुलसे एक श्रद्धालु की मौत हो गई है। मृतक की पहचान सराय इनायत थाना क्षेत्र के लीलापुर कलां निवासी मानस मिश्रा के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि मृतक मानस मुजफ्फरनगर के डीएम उमेश मिश्रा का रिश्तेदार बताया जा रहा है। बृहस्पतिवार रात माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर पांच के अन्नपूर्णा मार्ग स्थित एक टेंट में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू गया। लेकिन इसी बीच टेंट में सो रहे सराय इनायत थाना क्षेत्र के लीलापुर कलां निवासी मानस मिश्रा भी आग की चपेट में आ गया। पुलिस की मदद से उसे एसआरएन पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं, पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज पांडेय ने बताया कि देर रात टेंट में आग लगी थी। आग की चपेट में आकर युवक 90 फीसदी झुलस गया। इलाज के दौरान मौत हुई है, मामले की जांच की जा रही है।

चौधरी राकेश टिकैत बोले– पूंजीपति चला रहे हैं सरकार, किसानों को जमीन बेचने के लिए किया जा रहा बाध्य

प्रयागराज। माघ मेले में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि देश की सरकार व्यापारी चला रहे हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

माघ मेले में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि देश की सरकार व्यापारी चला रहे हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसानों के हित में ऐसा कानून बनाया जाए जिससे एमएसपी से नीचे कोई भी व्यापारी अनाज न खरीद सके। कहा कि सरकार के खिलाफ किसानों का संघर्ष जारी रहेगा। खेती हमेशा से फायदे का सौदा रहा है। सरकार किसानों की जमीन को हड़पना चाहती है। कलम और कैमरे पर बंदूक का पहरा लगा है।

राकेश टिकैत ने कहा कि माघ मेले में हर वर्ष किसान

पहुंचते हैं और स्नान करने के बाद पंचायत में रणनीति तय करते हैं। पंचायत में छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश आदि सहित कई राज्यों से लोग आ रहे हैं। कहा कि सरकार यह साबित करने में लगी हुई है कि खेती–किसानी से नुकसान हो रहा है। इसलिए वह खेतों को बेचने के लिए दबाव बना रही है। फसल इतनी सस्ती कर दी गई है कि किसान यह मान लें कि खेती से कोई लाभ नहीं है और वह जमीन को बेच दें।

किसान नेता ने कहा कि खेती किसानी कभी घाटे सौदा नहीं रहा है। यह सरकार की एक तरह से साजिश है। सरकार चाहती है कि अगर अनाज का मूल्य सही नहीं मिलेगा और किसानों की लागत नहीं निकलेगी वह खेती को घाटे का सौदा समझेंगे और जमीन को बेच देंगे। सरकार की पॉलिसी को समझने की जरूरत है। किसान यूनियन को कमजोर करने के लिए कई संगठन बना दिए गए हैं। सरकार की हमेशा से नीति रही है फूट डालो और राज करो। किसान यूनियन को कमजोर करने की साजिश की जा रही है। सरकार व्यापारी चला रहे हैं जो दिखते नहीं हैं। देश को पहले हिंदू मुसलमान में बांटा अब किसानों को आपस में लड़ाकर उनकी लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जा सके।

किसानों को परेशान किया जा रहा है

राकेश टिकैत ने कहा कि माघ मेले में आयोजित किसान महापंचायत में आने वाले किसानों को परेशान किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को छत्तीसगढ़ से आए किसानों को अलोपीबाग चुंगी से 200 मीटर दूर कार्यक्रम में आने के लिए नौ किलोमीटर घुमा दिया गया। मेले में भीड़ दिखाने के लिए किसानों और श्रद्धालुओं को इधर–उधर घुमाया जा रहा है।

मां ने चार माह के बच्चे के साथ कुएं में लगाई छलांग, दोनों की मौत, एक दिन पहले आई थी मायके से

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के बड़गौना खुर्द गांव में एक महिला ने चार माह के बच्चे के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी। महिला एक दिन पहले ही मायके से आई थी। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मां–बेटे के शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कौंधियारा थाना क्षेत्र के बड़गौना खुर्द गांव में एक महिला ने चार माह के बच्चे के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी। महिला एक दिन पहले ही मायके से आई थी। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मां–बेटे के शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बड़गौना खुर्द गांव में सोनम पत्नी शिवबाबू को दो बच्चे हैं। सोनम की शादी 2021 में ज्ञानचंद्र से हुई थी। 2023 में ज्ञानचंद की मौत के बाद परिजनों ने सोनम की शादी ज्ञानचंद के छोटे भाई शिवबाबू से कर दी। सोनम काफी दिनों से अपने मायके घूरपुर थाना क्षेत्र के मनकवार में रह रही थी। बृहस्पतिवार को वह मायके से लौटी थी। शुक्रवार को उसने बच्चे के साथ कुएं में छलांग लगा थी। यह कुआं घर के पास ही बताया जा रहा है।

अखबार पढ़ने से बढ़ता है शब्दकोशः मो. रिजवान

प्रयागराज। पुस्तकों के साथ अखबारों को भी विद्यालयों की दैनिक पठन–पाठन संस्कृति का अनिवार्य अंग बनाएं। नियमित अखबार पढ़ने से विद्यार्थियों का शब्दकोश बढ़ेगा, तार्किक सोच के साथ एकाग्रता भी बढ़ेगी। विद्यालयों की प्रार्थना सभा में अखबार का वाचन और पुस्तकालय में उपलब्धता सुनिश्चित करें। यह निर्देश खंड शिक्षाधिकारी कोरांव मो. रिजवान खान ने दिए हैं।

जुर्म कुबूलने पर चार अभियुक्तों को कोर्ट उठने तक की सजा

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बड़ी मदारी गांव में मारपीट व गालीगलौज के मामले में विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रयागराज की अदालत ने चार अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए न्यायालय के उठने तक की सजा एवं अर्थदंड से दंडित किया। यह आदेश विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रेम बहादुर सिंह की अदालत ने दिया। आरोपी आरू उर्फ यार मोहम्मद, बब्लू उर्फ मोहम्मद असलम, डब्लू उर्फ महबूब आलम और रमजान ने स्वेच्छा से अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। अभियोजन के अनुसार 21 फरवरी 2016 को सुबह करीब 10 बजे अभियुक्तों ने ग्राम बड़ी मदारी में वादी के साथ आपराधिक बल का प्रयोग करते हुए गालीगलौज व मारपीट की थी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि आरोपी गरीब व असहाय है। साथ ही न्यूनतम सजा की मांग की। वहीं, शासकीय अधिवक्ता ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए कठोर दंड की मांग की।

वरिष्ठ आलोचक और कवि गुरुदेव राजेंद्र कुमार, मेडिकल कॉलेज को दान किया गया उनका देह

प्रयागराज। हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ आलोचक और वरिष्ठ कवि गुरुदेव राजेंद्र कुमार जी का आज ढाई बजे लगभग 84वर्ष की आयु में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ आलोचक और वरिष्ठ कवि गुरुदेव राजेंद्र कुमार जी का आज ढाई बजे लगभग 84वर्ष की आयु में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। उन्होंने कमला नेहरू अस्पताल के आई सी यू में अंतिम सांस ली। उनका जन्म 24 जुलाई 1943 को कानपुर में हुआ था। वह 2001से 2003 तक हिंदी विभाग के अध्यक्ष रहे थे और 2005 में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने कानपुर से रसायनशास्त्र में और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी में एमए किया था। उन्होंने वरिष्ठ आलोचक डॉ रघुवंश के निर्देशन में डी फिल किया था। वह लगभग एक साल से आहार नलिका के कैंसर से जूझ रहे थे। वह एक गंभीर और लोकप्रिय अध्यापक, साहित्यिक अभिभावक और अदम्य जिजीविषा के धनी थे। ऋण गुणा ऋण, लोहा लक्कड़, हर कोशिश है एक बगावत, उदासी का ध्रुपद उनके चर्चित काव्य संग्रह हैं और प्रतिबद्धता के बावजूद, कविता समय असमय, आलोचना आसपास, कथार्थ और यथार्थ, शब्द घड़ी में समय आदि उनकी महत्वपूर्ण आलोचना पुस्तकें हैं।

राना क्रिकेट टूर्नामेंट में फाफामऊ और झूंसी ने जीते अपने मुकाबले

प्रयागराज। मऊआइमा के सिसई सिपाह में चल रहे राना कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को दो मैच खेले गए। पहला मैच फाफामऊ और पटेल क्लब बुआपुर के बीच खेला गया। फाफामऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में तीन विकेट खोकर 120 रन बनाए। जवाब में पटेल क्लब बुआपुर ने निर्धारित ओवर में पांच विकेट खोकर मात्र 67 रन ही बना सकी।

साहित्य जगत को दोहरा आघात

–प्रो. राजेन्द्र कुमार व आलोचक वीरेन्द्र यादव के निधन पर कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित यादव ने जताया शोक

प्रयागराज। प्रख्यात साहित्यकार एवं शिक्षाविद् प्रो. राजेन्द्र कुमार तथा मशहूर साहित्य आलोचक वीरेन्द्र यादव के निधन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। अंकित सिंह यादव ने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रो. राजेन्द्र कुमार ने अपने रचनात्मक और शैक्षणिक योगदान से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया, वहीं वीरेन्द्र यादव ने अपनी सशक्त आलोचना दृष्टि के माध्यम से साहित्यिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की। दोनों विभूतियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

उन्होंने कहा कि इन दोनों साहित्यिक स्तंभों का असमय जाना न केवल उनके परिवार, शिष्यों और साहित्य प्रेमियों के लिए, बल्कि सम्पूर्ण सांस्कृतिक समाज के लिए गहरा आघात है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उनके विचार, लेखन और आलोचनात्मक दृष्टि आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देते रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और इस दुःख की घड़ी में उनके साथ खड़े होने की बात कही।

मुक्त विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया जाएगा उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आगामी 24 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर विश्वविद्यालय ने स्थापना दिवस मनाने की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस पूर्ण उत्साह, गरिमा एवं उल्लास पूर्वक आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश यादव को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही लघु फिल्म एवं रंगोली निर्माण, क्विज प्रतियोगिता, प्रदर्शनी आयोजन तथा भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। समारोह के नोडल अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता 21 जनवरी 2026 तथा क्विज प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजन 24 जनवरी 2026 को होगा। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में 24 जनवरी 2026 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजन की सफलता के लिए प्रोफेसर मीरा पाल, प्रोफेसर पी के पांडेय, प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी तथा प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश यादव की समन्वित टीम तैयार की गई है।

कड़कड़ाती ठंड में खुले में सोने को मजबूर है गरीब

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्पष्ट आदेश है कि कोई भी इस हाड़–कपाउ ठंड में खुले में सोता नजर न आये। बाबजूद हसके नगर निगम और पुलिस प्रशासन के जिम्मेदारों की लापरवाही सामने आ रही है। थाना नाका किंडोला और थाना बाजारखाला, दो–दो थानों की सीमा के बीच स्थित ऐशबाग रेलवे पुल का हाल किसी को नजर नहीं आ रहा है। ऐशबाग पुल पर इस कड़कड़ाती ठंड मे भी गरीब खुले में सोने को मजबूर है। उसे रैनबसेरों की गर्माहट नसीब नहीं हो पा रही है। उ0प्र0 के मुख्यमंत्री तो संवेदनशील है। परंतु मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करवाने वाले जिम्मेदारों के पास संवेदनशीलता नहीं है। खुले में सोने वाले ये गरीब कौन है, ये कहां से आते है और क्यों इस ठंड में खुले में सो जाते है? इसकी जानकारी न तो पुलिस प्रशासन और न नगर निगम के पास है। अनेक सामाजिक संगठन जो केवल अखबारों में फोटों खिचाने और अपने दान का प्रचार करते है, वे संगठन भी इन गरीबों की कोई सुध नहीं लेते है। गरीब तो बस खुले में सोने को मजबूर है।

भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है, अखिलेश यादव ने कसा तंज

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि ''सत्तारूढ़ पार्टी पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश के अपने आधिकारिक हैंडल से किये गए एक पोस्ट में कहा ''भाजपा अपने संगी–साथियों को फायदा पहुंचाने के चक्कर में काशी की दाल मंडी में हर घर–दुकानदार को दल रही है। ये जुल्म और अत्याचार जनता अब और नहीं सहेगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया, ''भाजपा पैसों को छोड़कर किसी की सगी नहीं है। सत्ता भी भाजपाइयों को सिर्फ पैसे कमाने के लिए ही चाहिए। यादव ने कहा, ''भाजपा विश्वासघात का दूसरा नाम बन गयी है। भाजपा जाए तो हर इंसान चौन पाए! सपा प्रमुख ने इस पोस्ट के साथ दो मिनट 19 सेकंड का एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें लखीमपुर खीरी जिले के मूल निवासी और (राम मंदिर आंदोलन) कारसेवा के दौरान कथित तौर पर 22 दिनों तक जेल में बंद रहे संजीव जायसवाल नामक व्यक्ति को सरकार पर तंज कसते हुए सुना जा सकता है।

विहिप के प्रदर्शन से पहले राजभवन का नोटिस, केजीएमयू के आसपास पुलिस मुस्तैद देख कार्यकर्ता लौटे

लखनऊ, संवाददाता। केजीएमयू के सामने विहिप के प्रदर्शन की सूचना पर राजभवन से नोटिस जारी कर दिया गया। राज्यपाल के ओएसडी ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए कि केजीएमयू कैंपस के आसपास प्रदर्शन न होने पाए। इसके बाद कैंपस के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अपने तय समय दोपहर 12 बजे पहुंचे कार्यकर्ताओं ने गेट–2 पर पुलिस मुस्तैद देखी तो अपना प्रदर्शन रोक दिया। दरअसल, केजीएमयू में चल रहे लव जिहाद प्रकरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता कैंपस के गेट–2 पर हनुमान चालीसा पाठ करने वाले थे। वे कैंपस के पास पहुंचते कि उससे पहले वहां पुलिस बल मुस्तैद हो गया। यह देखते ही विहिप ने चालीसा पाठ का प्लान बदल दिया और हजरतगंज जीपीओ पहुंच गए। वहां नारेबाजी की। केजीएमयू की कुलपति के ओएसडी को हटाने की मांग रखी। साथ ही यूनिवर्सिटी में 2021 से अब तक हुई नियुक्तियों की जांच कराने की भी मांग रखी। विहिप के अनुसार, कार्यकर्ता जीपीओ से एकत्रित होकर विधानसभा की तरफ बढ़े। यहां पुलिस ने रोक लिया तो पुलिस अधिकारियों को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अब्बास को कुलपति के ओएसडी के पद से हटाने की मांग भी रखी। केजीएमयू के सामने प्रस्तावित हनुमान चालीसा पाठ की सूचना पर राजभवन एक्टिव हो गया था।

45 महानुभूतियों को दिया गया प्रयाग गौरव सम्मान

प्रयागराज। भारतीय जनहित कल्याण समिति के तत्वाधान में निकट आनन्द भवन श्सर्व धर्म सदभाव मकर संक्रान्ति महोत्सव के तत्वांधान में बहस्पतिवार को 30 कन्तल विशाल खिचड़ी भण्डारा जलपान का आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में लोग भोग प्रसाद के लिए जुटे सर्व धर्म सद्भाव के प्रथम पाली कार्यक्रम में सर्व प्रथम मुख्य अतिथि मा० शेखर कुमार यादव, मा० उच्च न्यायालय इलाहाबाद मा० संस्था नलिन क्मार श्रीवास्तव मा० उज्च न्यायालय इलाहाबाद के साथ–साथ सचिव, रजिया सुल्तान, अधिवक्ता, मा० उच्च न्यायालय इलाहाबाद मा० हर्ष वर्धन बाजपेई, विधायक शहर उत्तरी, सुष्मिता कानून–गो प्रधानाचार्य जगत तारन गोल्डेन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । इस जुबली स्कल प्रयागराज ने दीप प्रज्जवलित अवसर पर मा० शेखर कमार यादव ने कहा कि मकर संक्राति पर्व का बहुत बड़ा महत्व है। यह कार्यक्रम सर्व धर्म सद्भाव कार्यक्रम कौमी एकता का प्रतीक है। वहीं श्मा० नलिन कमार श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की प्रशंसा करे हए भी को श्मकर संक्रान्ति के पावन स्नान पर्व की बधाई दी ष और खिचड़ी बताते हए कहा कि यह का महत्व कार्यक्रम अपने आप में बेमिसाल है। संस्था सचिव रजिया सुल्तान ने कहा कि एक श्देश एक पर्व श्यह हमारे भारत देश की पहचान है। प्रयागराज संस्कृतियों का सगम है इसलिए इस कार्यक्रम में सभी की भागीदारी रहती है।

विशिषट अतिथि मा० केशरी देवी पटेल जी, पूर्व सांसद फलपुर, मुख्य प्रयागराज, मा० सुरेन्द्र चौधरी सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश, हषेवधन बाजपेयी, विधायक शहर उत्तरी प्रयाग, गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, पूर्व वाइस चान्सलर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, मोहम्मद इब्राहिम, अध्यक्ष, उपभोक्ता श फोरम प्रयागराज एवं विशिष्ट अतिथि सुष्मिता कानून गो, प्रधानाचार्य जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल, प्रयागराज, श्री राकेश कमार पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता । अध्यक्ष श्बार एसोसिएशने हाईकोर्ट इलाहाबाद, डॉ० सोनिया तिवारी, कमला नेहरू मेमोरियल हास्पिटल, प्रयागराज फादर अजीत फांसेस, कटरा चर्च, प्रयागराज ने भी मकर संक्रान्ति के पावन स्नान पर्व की बधाई दी और खिचड़ी का महत्व बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम अपने आप में बेमिसाल है। संस्था सचिव, रजिया सुल्तान के अतिथियों का पुष्प श्गुच्छ / बैच लगाकर स्वागत किया। इंजीनियर सरोश ने मा0 शेखर कुमार यादव को अशोक चिन्ह व मिन्जा कमर ने मा० नलिन श्रीवास्तव को सरस्वती मूमेन्टो देकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में मा० न्यायमूति क कर कमलों से समाज क उत्कष्ट कार्य करने वाले 45 महानुभूतियों को प्रयाग गौरव सम्मान से सम्मानित किया। मा0 न्यायमूर्ति ने सभी के साथ मिलकर अपने कर कमलों से खिचडी प्रसाद का वितरण किया। लगभग 30 कुन्तल खिचडी की व्यवस्था देखने को मिली।

संचालन डा० मनोज मिश्रा ने किया। विनीता हास्पिटल का स्वारथ शिविर प्रथम चरण की अध्यक्षता डा0 बिन्द् विश्वकर्मा, डायरेक्टर विनीता हास्पिटल बराबर लोगों में मरीजों को स्वास्थ सम्बन्धी दवा वितरण, हेल्थ चेकअप करता श्रहा। स्वास्थ शिविर से लोग लाभान्वित हए।

कार्यक्रम के दसरे चरण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन / मुशायरे का शुभारम्भ सरस्वती श वन्दना से किया गया लोकेश शुक्ला ष्एक देश में एक हाल में एक रंग रहेगें, मैखान–ए भारत में एक साथ रहेगे। हम एक थे हम एक हैं हम एक रहेगें ।ष सुनाकर सभी को मग्नमुग्ध कर लिया ।

रजिया सुल्तान ने सनाया मंदिर में जाइये मस्जिद में जाइये उसकी तलाश हैश तो एक के दवारे भी जाइये। कवि उमेश श्रीवास्तव, बिहारी लाल अम्बर, सेलाल श इलाहाबादी, नजर इलाहाबादी, विक्टर सुल्तानपुरी ने चरना पाठ कर श्रोताओं को खूब हसाया। उक्त कायेक्रम में राजकृमार द्विवेदी, नागेन्द्र अस्थाना, सरोश, मिन्जा कमर श्याम सुन्दर सिंह पटेल, मा० कमरउददीन खाँ, राहिल हसन, डॉ0 मजहर अब्बास, पियूष त्रिपाठी, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, जय श्रीवास्तव, स्वाति अग्रवाल, अशोक कुमार, राय साहब यादव सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

''मन लागो मेरो यार फकीरी मे'' से गूंज उठा नाद–ब्रह्म शिल्प मेला

प्रयागराज। लोकसंस्कृति, शास्त्रीय संगीत और जनआस्था के जीवंत संगम के रूप में सोमवार को नाद–ब्रह्म शिल्प मेला दर्शकों के लिए अविस्मरणीय बन गया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस मेले में दिनभर सांस्कृतिक गतिविधियों की सरस बयार बहती रही, वहीं संध्या होते–होते सुर, विचार और लोकहास्य से सजी प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ भजन गायक ऋषि मिश्रा की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से हुआ। उन्होंने "साधो ऐसा ही गुरु भावे", राग झिंझोटी में छोटा ख्याल "सगुन विचारो", "कृपा सरोवर कमल मनोहर" तथा "अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरम" जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं से खूब तालियां बटोरीं। इसके पश्चात राहुल पाण्डेय ने "अंगना में निमिया लगाइब", "विष्णु जब अवतार आपका", "लागल संगम अस्ननवा" और "जब निकई समइया न जाना" गीतों से लोकभावना को स्वर दिया।

इसके बाद युवा शास्त्रीय एवं कबीर वाणी गायक विवेक विशाल ने संत कबीर की अमर वाणी से श्रोताओं को जोड़ा। "हमन है इश्क मस्ताना", "कछु लेना न देना मगन रहना", "दाग कहा से लागल चुनर में", "हंसा ये पिंजरा नहीं तेरा" और "मन लागो मेरो यार फकीरी में" जैसे पदों की सशक्त प्रस्तुति पर सभागार तालियों से गूंज उठा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित संगोष्ठी में "तीर्थराज प्रयाग रू लोक आस्था, पर्यावरण एवं कर्तव्यबोध" विषय पर विद्वानों ने विचार रखे। प्रोफेसर मार्तंड सिंह ने कहा कि लोकआस्था जनविश्वास की रग–रग में समाई हुई है। जब मनुष्य प्रकृति की दैवीय शक्ति पर सहज विश्वास करता है, तभी वृषभ और नीलकंठ पक्षी में शिव के दर्शन होने लगते हैं। उन्होंने आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का उल्लेख करते हुए कहा कि लोक–संस्कार अत्यंत प्रबल होते हैं, किंतु मनुष्य संस्कारों का दास नहीं, उनका निर्माता भी है।

वहीं डॉ. सरोज सिंह ने कहा कि तीर्थराज प्रयाग लोकआस्था, पर्यावरण और कर्तव्यबोध का अनुपम संगम है, जहाँ त्रिवेणी में स्नान से पापमुक्ति और मोक्ष की कामना की जाती है। प्रयाग तपःस्थली और ऋषिक्षेत्र के रूप में भारतीय चेतना का केंद्र रहा है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में 18 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोहा। वहीं जबावी बिरहा की प्रस्तुति ने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. श्लेष गौतम, उर्मिला शर्मा, कृति श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे

कल होगा महानाट्य प्रस्तुति– केंद्र प्रेक्षागृह में माता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर कर्मयोगिनी माता अहिल्या नाटक की प्रस्तुति शाम 6 बजे से होगा।

वंदे मातरम चित्रकला कार्यशाला का भव्य उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण के कर कमलों से

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी की वंदे मातरम कला कार्यशाला आज

प्रयागराज। विख्यात चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस के अतर्गत राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में वंदे मातरम पर आधारित चित्रांकन हेतु तीन दिवसीय वंदे मातरम कला कार्यशाला का भव्य उद्घाटन माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण संस्कार भारती पंडाल किला चौराहा माघमेला शिविर में 17 जुलाई 2026 को करेंगे। विशिष्ट अतिथि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा तथा संस्कार भारती प्रयागराज महानगर की अध्यक्ष डॉ ज्योति मिश्रा होगी तथा संस्कार भारती के महामंत्री विभव शंकर मिश्रा कलाकारों का उत्साह वर्धन करेंगे।

इस कला कार्यशाला के मेंटोर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सचिन सैनी के निर्देशन में चित्रकार शुभम कुशवाहा, सौरभ सोनी, सर्वेश पटेल, प्रिया सिंह एवं युग सिंह वंदे मातरम थीम पर 15 मीटर लम्बे कैनवास पर भावपूर्ण चित्रण करते हुए अपनी कला का जलवा बिखेरेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस पर 24 जनवरी 2026 को राजधानी लखनऊ में यह चित्र प्रदर्शित होंगे। राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र व निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री का संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार के इस देश भक्तिपूर्ण कार्यक्रम को निष्ठापूर्वक अंजाम देने के लिए राज्य ललित कला अकादमी ने रवीन्द्र कुशवाहा पर पूर्ण विश्वास जताया है। इस शुभ अवसर पर संस्कार भारती के सभी पदाधिकारी है वह कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

माघ संगम पर आया

(छप्पय)

ठण्डक की है भोर, कुहासा तगड़ा छाया।
मोती बने तुषार, देखकर मन हरषाया।
मौसम का यह रंग, सुहाना सबको भाया।
सुनकर सारी बात, माघ संगम पर आया।
पावन गंगा में नहा, हर हर गंगे बोलकर।
बातें हरि का कर रहा, पोथी–पत्रा खोलकर।।

सुन संतन की बात, बैठ संगम के तीरे।
कुरिया लिया बनाय, माघ ने धीरे–धीरे।
कर गंगा स्नान, उन्हीं की पूजा करता।
अपने मन की बात,सदा उनसे ही कहता।
आनन्दित वे सब हुए, जिसने सुना प्रसंग को।
वासन्तिक उत्सव बना, अंतस में भर रंग को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

एएनएम भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का गुस्सा फूटा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की एएनएम (5272 पद) भर्ती परीक्षा को लेकर लखनऊ में अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। परीक्षा में घोषित सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछे जाने का आरोप लगाते हुए 2 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने पिकअप भवन के बाहर प्रदर्शन किया। अफसरों को सीएम योगी के लिए ज्ञापन सौंपा। कुछ अभ्यर्थी सीएम आवास के पास पहुंच गए। गौतमपल्ली पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। अभ्यर्थियों का कहना है कि एएनएम भर्ती परीक्षा 11 जनवरी को हुई थी। इसमें सामान्य ज्ञान (जीके) और कंप्यूटर सब्जेक्ट से 35 से 40 प्रश्न आए थे, जबकि इन विषयों का सिलेबस में जिक्र ही नहीं था। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि हमने आयोग की तरफ से तय पाठ्यक्रम के हिसाब से ही कई महीनों तक कठिन परिश्रम कर तैयारी की थी। परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न आने से न सिर्फ उनकी मेहनत बेकार चली गई, बल्कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अभ्यर्थियों ने मांग की कि यूपीएसएसएससी एएनएम (5272) भर्ती परीक्षा में सिलेबस से बाहर पूछे गए जीके और कंप्यूटर के प्रश्नों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। परीक्षा देने वाली लड़कियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को निरस्त कर री–एग्जाम की तारीख जल्द घोषित की जाए। इससे पहले प्रदर्शन के दौरान पिकअप भवन के बाहर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी जमा हो गए, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए जाम जैसे हालात बन गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। फिलहाल मामले पर आयोग या शासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी कंचन यादव ने कहा कि आयोग ने 38 टॉपिक दिए थे। कहा गया था कि उन्हीं टॉपिक से प्रश्न आएंगे। परीक्षा में 40 प्रश्न सिलेबस के बाहर से आए।

सोने–चांदी के बढ़ते भाव से डिप्रेश सर्राफ ने सुसाइड किया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सर्राफा कारोबारी ने सुसाइड कर लिया। उनका शव घर के आंगन में मिला। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना गुरुवार रात सआदतगंज थाना क्षेत्र के चौपटिया में हुई। मृतक सर्राफ की पहचान मनोज अग्रवाल के रूप में हुई। साथी सर्राफों का कहना है कि मनोज ने सहालग को लेकर पूर्व में कई बड़े ऑर्डर लिए थे। उस समय सोना–चांदी के दाम कम थे। अब सहालग में उसी पुराने दाम पर उन्हें सभी ऑर्डर पूरे करने थे। इस वजह से वह डिप्रेशन में रहते थे। लग रहा है कि इसी वजह से उन्होंने सुसाइड कर लिया। मनोज की चौक में हरी मस्जिद के पास कुंदन मार्केट में श्री श्रृंगार नाम से दुकान है। वह सोने–चांदी का कारोबार करते थे। गुरुवार को दोपहर के समय वह दुकान में थे। चौक में मकर सक्रांति के मौके पर चल रहे भंडारे में शामिल हुए। इसके बाद दुकान बंद करके घर चले गए। रात को घर के आंगन में लगी ग्रिल के सहारे फंदे उनका शव लटकता मिला। परिजनों ने लटका देखा तो चीखने–चिल्लाने लगे। चीख सुनकर आसपास लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जांच में सोने–चांदी के भाव में लगातार चढ़ाव के चलते डिप्रेशन की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। चौक सर्राफा एसोसिएशन महामंत्री विनोद महेश्वरी ने बताया कि सर्राफा व्यापार में भाव में तेजी के कारण डिप्रेशन में आकर फांसी लगा ली। भारत सरकार से चांदी–सोने को वायदा कारोबार से मुक्त करने की मांग है। राजकोट, आगरा, कानपुर और लखनऊ के कारीगर व्यापारी बर्बादी के कगार पर हैं। सर्राफ की पत्नी नीलू गृहणी हैं। दो बेटे हैं– स्कंद और छोटू। स्कन्द पुणे में नौकरी करता है। छोटू पिता के साथ दुकान देखता था।

भ्रष्टाचार की शिकायतों के बाद हटाए गए अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा, डीजी हेल्थ यूपी आफिस से अटैच

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या स्थित राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक अनियमितताओं से संबंधित शिकायतों के बाद शासन ने बड़ा निर्णय लिया है। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा को पद से हटाते हुए उन्हें महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण (डीजीएमई), लखनऊ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा अमित घोष के स्तर से जारी आदेश के अनुसार, डॉ. सत्यजीत वर्मा के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच प्रचलित होने के दृष्टिगत अंतिम निर्णय आने तक उन्हें लखनऊ कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इस बावत कॉलेज के छह विभागाध्यक्षों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्राचार्य के विरुद्ध भ्रष्टाचार से जुड़े तथ्यों व साक्ष्यों की जानकारी दी गई थी। आरोपों में खरीद–फरोख्त में अनियमितता, सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग, मशीनों को ठप कर निजी व्यवस्था को बढ़ावा देने तथा एक ही अधिकारी,शिक्षक को अनेक प्रमुख दायित्व सौंपे जाने जैसी बातें शामिल बताई गईं थी।

कुत्ते को कुचलने पर विवाद, मारपीट में कई घायल,पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ, संवाददाता। बंथरा थाना क्षेत्र में एक कुत्ते को गाड़ी से कुचलने के बाद हुए विवाद में मारपीट हो गई। इस घटना में शिकायतकर्ता सलोनी और उसके परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। बंथरा थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सम्पादकीय.....

गिग-वर्कर की सुध

गिग वर्कर्स की हड़ताल और उनके मुश्किल हालात को लेकर समाज में बढ़ती फिक्र के बाद हुए सरकारी हस्तक्षेप से गिग वर्कर्स की बड़ी मुश्किल हल हुई है। कोहरे–ठंड और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच गिग–वर्कर्स पर दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव एक बड़े तनाव की वजह बना हुआ था। गिग–वर्कर्स को हीमैन मानकर द्रुत गति से वाहन दौड़ाकर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती थी। कुछ डिलीवरी ब्वॉयज के दुर्घटनाग्रस्त होकर जान गंवाने व घायल होने के भी समाचार थे। अब यह सुखद ही है कि केंद्रीय श्रममंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद क्विक कॉमर्स कंपनियां कष्टदायक दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को तैयार हो गई हैं। इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट, जिसने दस मिनट में डिलीवरी को अपने कारोबार की आक्रामक विज्ञापन रणनीति का हथियार बना लिया था, ने अब अपने मंचों से दस मिनट में डिलीवरी का दावा हटा लिया है। निश्चित रूप से यह अमानवीय ही था कि बेकारी का त्रास झेलते युवाओं पर आनन–फानन दस मिनट में सामान उपभोक्ता तक पहुंचाने का दबाव बनाया जाए। लंबी ड्यूटी, कम पैसा और जल्दी सामान पहुंचाने के दबाव में बड़ी संख्या में गिग–वर्कर्स काम छोड़ जाते थे। आजकल ठंड के मौसम में उपभोक्ता घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। अतरू उत्तर भारत में भीषण सर्दी और कोहरे के बीच दस मिनट में तेजी से सामान पहुंचाना दुष्कर कार्य था। भारत में आम ट्रैफिक की जटिल स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सड़क हादसों के कारण उनका जीवन जोखिम में बना रहता था। इतना ही नहीं, कई बार डिलीवरी ब्वॉयज को बहुमंजिला इमारतों और कालोनियों के सुरक्षा गार्डों से जूझना पड़ता था, जिससे उन्हें सामान पहुंचाने में देरी हो जाती थी। फिर उपभोक्ता के मोबाइल पर मिले ओटीपी के बाद उनका सामान डिलीवर माना जाता था। समय पर सामान की डिलीवरी न होने पर उनके कार्य प्रदर्शन का मूल्यांकन कमतर आंका जाता है। दरअसल, गिग वर्कर्स को अच्छी रैंक तभी मिलती है जब वे दस मिनट में सामान पहुंचा देते हैं, जिसके चलते वे मानसिक तनाव में रहते थे। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दस मिनट में डिलीवरी का दबाव झेलते तथा मेहनताने में कमी आदि मांगों को लेकर गिग–वर्कर्स ने देशव्यापी हड़ताल की थी। हालांकि, कंपनी मालिकों ने साल के आखिरी दिनों में उत्सव के माहौल में डिलीवरी बाधित होते देख हड़ताल को कामयाब नहीं होने दिया, लेकिन इस हड़ताल से पूरे देश का ध्यान गिग–वर्कर्स की जायज मांगों की तरफ गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई राजनेताओं ने भी गिग–वर्कर्स के मुद्दे को जोर–शोर से उठाया। पिछले दिनों ध्यान आकर्षण के लिए बाकायदा राघव चड्ढा डिलीवरी ब्वॉय की ड्रेस पहनकर सामान डिलीवर करने भी गए। निस्संदेह, डिलीवरी ब्वॉयज का काम बेहद चुनौतीपूर्ण है, काम के घंटे बहुत ज्यादा हैं और उसके अनुपात में मेहनताना बेहद कम है। इन्हीं चिंताओं के बाद केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें उल्लेख है कि गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें पर्याप्त सुविधाएं नियोक्ता कंपनी द्वारा दी जाएं। यह विडंबना ही है कि गिग वर्कर्स की मेहनत से क्विक कॉमर्स कंपनियों का कारोबार तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन गिग वर्कर्स की माली हालत नहीं सुधरी है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स थोड़े समय काम करके नौकरी छोड़ देते हैं। निर्विवाद रूप से आज जरूरी है कि गिग वर्कर्स ही नहीं, तमाम असंगठित क्षेत्र के कामगारों को अविलंब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाए। उन्हें बीमा, न्यायोचित काम के घंटे, समय पर समुचित भुगतान व चिकित्सा आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस दिशा में कानून बनाना ही काफी नहीं होगा, जरूरत लगातार इस बात की निगरानी की भी होगी कि धरातल पर इन कानूनों का कितना अमल हो रहा है। निश्चित रूप से असंगठित क्षेत्र के हर कामगार की सुध ली जानी चाहिए। तभी देश में श्रम की गरिमा स्थापित हो सकेगी। यही देश की युवा श्रमशक्ति का भी सम्मान होगा।

आवारा कुत्तों की समस्याः सख्ती और करुणा दोनों जरूरी

विपिन पब्बी

सुप्रीम कोर्ट फिलहाल आवारा कुत्तों के मुद्दे पर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। जहां एक तरफ याचिकाएं आवारा कुत्तों के खतरे से निपटने के लिए अधिकारियों द्वारा सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ याचिकाएं जानवरों के अधिकारों के पक्ष में हैं। यह एक साल में चौथी बार है, जब सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर विचार कर रहा है। पिछले साल कोर्ट की एक डिवीजन बैंच ने दिल्ली सरकार को नगर निगम क्षेत्रों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें इंसानी बस्तियों से दूर डॉग शैल्टर में भेजने का आदेश देकर हलचल मचा दी थी। काफी हंगामे के बाद, सुप्रीम कोर्ट की एक दूसरी बैंच ने इस आदेश पर रोक लगा दी और कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश को लागू करना संभव नहीं है। इसके बाद, एक और बैंच ने फैसले को पलट दिया और शैक्षणिक संस्थानों, खेल परिसरों, अस्पतालों और बाजारों जैसे सार्वजनिक स्थानों से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया। ताजा सुनवाई, जो कोर्ट ने खुद शुरू की थी, कई दिनों से चल रही है तथा कुछ और दिनों तक जारी रहने की संभावना है। निरूसंदेह यह एक गंभीर मुद्दा है और अधिकारी एक व्यवहार्य और प्रभावी समाधान खोजने में विफल रहे हैं। नैशनल सैंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एन.सी.जी.सी.) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा था कि 2024 में कुत्तों के काटने के कुल मामले 37,17,336 थे, जबकि 'संदिग्ध मानव रैबीज से होने वाली मौतों' की कुल संख्या 54 थी। इनमें पालतू कुत्तों के काटने के मामले भी शामिल हैं, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम हैं। यह एक सच्चाई है कि बहुत से लोग, खासकर बुजुर्ग, कुत्तों के झुंड द्वारा हमला किए जाने के डर से टहलने के लिए बाहर जाने से हिचकिचाते हैं। ऐसे हमलों की संख्या, खासकर बच्चों पर, पूरे देश में बढ़ रही है। एक याचिका पर जवाब देते हुए, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने सरकार को आवारा कुत्तों के काटने के मामलों में पीड़ितों को 10,000 रुपए की दर से मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इसी तरह पालतू कुत्तों के मालिकों को भी पीड़ितों को उसी दर से मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। हालांकि यह एक थकाऊ प्रक्रिया है और अब तक बहुत कम लोगों ने दावा किया है। दूसरी ओर, कुत्ता प्रेमियों को आवारा कुत्तों को खाने की चीजें बांटते देखना आम बात है। कुछ लोग ऐसा हर दिन करते हैं और कुत्तों के झुंड उनके आने का इंतजार करते हैं। सोसाइटी फॉर प्रिवैंशन ऑफ क्राइम्स अगेंस्ट एनिमल्स, जिसका गठन पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने किया था, जानवरों के खिलाफ अपराधों के मामलों को सक्रिय रूप से उठा रही है। कुछ लोग आवारा कुत्तों की संख्या में तेजी से बढ़ौतरी और कुत्ते के काटने के मामलों के लिए उन्हें और संगठन को भी दोषी ठहराते हैं। एनिमल बर्थ कंट्रोल (ए.बी.सी.) रूल्स, 2023, जिसमें 'आवारा कुत्तों' की बजाय 'कम्युनिटी एनिमल्स' शब्द का इस्तेमाल किया गया है, इन जानवरों को खाना खिलाने का प्रावधान करता है। 'यह रैजिडैंट वैल्फेयर एसोसिएशन या अपार्टमैंट ओनर्स एसोसिएशन या लोकल बॉडी के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी होगी कि वे दया भाव से कम्युनिटी एनिमल्स को खाना खिलाने के लिए जरूरी इंतजाम करें'। नियमों में बताया गया है कि खाना खिलाने की जगहें सीढियों, बिल्डिंग के एंट्री गेट और बच्चों के खेलने की जगह जैसी ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर होनी चाहिएं और कम्युनिटी कुत्तों को तय समय पर खाना खिलाया जाना चाहिए। नियम मानते हैं कि ये कुत्ते बिना मालिक वाले घुसपैठिए नहीं, बल्कि इलाके के जीव हैं, जो अपने स्थानीय माहौल में रहते हैं और वहीं के हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया, जो अभी इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं, ने कहा है कि नगर निगम अधिकारी अब जवाबदेही से बच नहीं सकते, क्योंकि एनिमल बर्थ कंट्रोल (ए.बी.सी.) रूल्स, 2023 के तहत कानूनी जिम्मेदारियों का पालन करने में उनकी नाकामी ने संकट को और बढ़ा दिया है। बैंच ने संकेत दिया है कि वह राज्यों पर 'भारी मुआवजा' लगाएगी और कुत्ते के काटने से चोट लगने या मौत के मामलों में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वाले व्यक्तियों की भी जवाबदेही तय करेगी। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे हमलों के अक्सर 'पूरी जिंदगी' तक असर रहते हैं और सवाल किया कि आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों को जानवरों को अपने घरों या परिसर में रखकर जिम्मेदारी क्यों नहीं लेनी चाहिए? इसमें कोई शक नहीं कि आवारा कुत्तों का मुद्दा एक जटिल समस्या है, लेकिन इससे पूरी संवेदनशीलता के साथ निपटा जाना चाहिए। जाहिर है, सरकारों ने इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए नसबंदी के जरिए आधे अधूरे प्रयास किए गए हैं लेकिन जमीन पर इसका कोई साफ असर नहीं दिख रहा। सुप्रीम कोर्ट को जवाबदेही तय करनी चाहिए और आवारा कुत्तों की नसबंदी करके समस्या से निपटने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों की बारीकी से निगरानी की व्यवस्था करनी चाहिए। इसे उन दूसरे देशों द्वारा उठाए गए कदमों का भी अध्ययन करना चाहिए, जिन्होंने इस मुद्दे को सफलतापूर्वक संभाला है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का जीवंत प्रतीक है काशी-तमिल संगमम

नरेन्द्र मोदी

कुछ दिन पहले ही मुझे सोमनाथ की पवित्र भूमि पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में हिस्सा लेने का सुअवसर मिला। इस पर्व को हम वर्ष 1026 में सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 साल पूरे होने पर मना रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से भी हुई, जो इससे पहले सौराष्ट्र–तमिल संगमम के दौरान सोमनाथ आए थे और इससे पहले काशी–तमिल संगमम के समय काशी भी गए थे। ऐसे मंचों को लेकर उनकी सकारात्मक सोच ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए मैंने तय किया कि क्यों न इस विषय पर अपने कुछ विचार सांझे करूं। 'मन की बात' के एक एपिसोड के दौरान मैंने कहा था कि अपने जीवन में तमिल भाषा न सीख पाने का मुझे बहुत दुख है। यह हमारा सौभाग्य है कि बीते कुछ वर्षों से हमारी सरकार तमिल संस्कृति को देश में और लोकप्रिय बनाने में निरंतर जुटी हुई है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और सशक्त बनाने वाला है। हमारी संस्कृति में संगम का बहुत महत्व है। इस पहलू से भी काशी–तमिल संगमम में जहां भारत की विविध परंपराओं के बीच अद्भुत सामंजस्य दिखता है, वहीं यह भी पता चलता है कि कैसे हम एक–दूसरे की परंपराओं का सम्मान करते हैं। काशी बाबा विश्वनाथ की नगरी है, तो तमिलनाडु में रामेश्वरम तीर्थ है। तमिलनाडु की तेनकासी को दक्षिण की काशी या दक्षिण काशी कहा जाता है। पूज्य कुमारगुरुपर स्वामी जी ने अपनी विद्वता और अध्यात्म परंपरा के माध्यम से काशी और तमिलनाडु के बीच एक सशक्त और स्थायी संबंध स्थापित किया था। तमिलनाडु के महान सपूत महाकवि सुब्रमण्यम भारती जी को भी काशी में बौद्धिक विकास और आध्यात्मिक जागरण का अद्भुत अवसर दिखा। यहीं उनका राष्ट्रवाद और प्रबल हुआ, साथ ही उनकी कविताओं को एक नई धार मिली। यहीं पर स्वतंत्र और अखंड भारत की उनकी संकल्पना को एक स्पष्ट दिशा मिली। वर्ष 2022 में वाराणसी की धरती पर काशी–तमिल संगमम की शुरुआत हुई थी। मुझे इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। तब तमिलनाडु से आए लेखकों, विद्यार्थियों, कलाकारों, विद्वानों, किसानों और अतिथियों ने काशी के साथ–साथ प्रयागराज और अयोध्या के दर्शन भी किए थे। इसके बाद के आयोजनों में इस पहल को और विस्तार दिया गया। इसका उद्देश्य यह था कि संगमम में समय–समय पर नए विषय जोड़े जाएं, नए और रचनात्मक तरीके अपनाए जाएं और इसमें लोगों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो। वर्ष 2023 के दूसरे आयोजन में टैक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो कि भाषा इसमें बाधा न बने। इसके तीसरे संस्करण में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर विशेष फोकस रखा गया। काशी–तमिल संगमम का चौथा संस्करण 2 दिसम्बर, 2025 को आरंभ हुआ। इस बार की थीम बहुत रोचक थी। तमिल करकलम् यानी तमिल सीखें। इससे काशी और दूसरी जगहों के लोगों को खूबसूरत तमिल भाषा सीखने का एक अनूठा अवसर मिला। तमिलनाडु से आए शिक्षकों ने काशी के विद्याध्थयों के लिए इसे अविस्मरणीय बना दिया! प्राचीन तमिल साहित्य ग्रंथ तोलकाप्पियम का 4 भारतीय और 6 विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया गया। तेनकासी से काशी तक पहुंची एक विशेष व्हीकल एक्सपीडिशन भी देखने को मिली। इस अभियान में सांस्कृतिक एकता के संदेश का प्रसार करने वाले पांड्य वंश के महान राजा आदि वीर पराक्रम पांडियन जी को श्रद्धांजलि अर्घ्यत की गई। पूरे आयोजन के दौरान नमो घाट पर प्रदर्शनियां लगाई गईं, बी.एच.यू. में शैक्षणिक सत्र का आयोजन हुआ, साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। काशी–तमिल संगमम में इस बार हमारे युवा साथियों के उत्साह ने मुझे सर्वाधिक प्रसन्नता दी। इससे अपनी जड़ों से और अधिक जुड़े रहने के उनके पैशन का पता चलता है। उनके लिए यह एक ऐसा अद्भुत मंच है, जहां वे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।यहां मैं काशी और उत्तर प्रदेश के अपने भाइयों और बहनों की सराहना करना चाहूंगा, जिन्होंने काशी–तमिल संगमम को विशेष बनाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उन्होंने अपने अतिथियों के स्वागत और सत्कार में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी। कई लोगों ने तमिलनाडु से आए अतिथियों के लिए अपने घरों के दरवाजे तक खोल दिए। स्थानीय प्रशासन भी चौबीसों घंटे जुटा रहा, ताकि मेहमानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। वाराणसी का सांसद होने के नाते मेरे लिए यह गर्व और संतोष दोनों का विषय है। इस बार काशी–तमिल संगमम का समापन समारोह रामेश्वरम में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु के सपूत उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन जी भी मौजूद रहे। भारतवर्ष की आध्यात्मिक समृद्धि पर बल देते हुए उन्होंने बताया कि कैसे इस तरह के मंच राष्ट्रीय एकता को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। काशी–तमिल संगमम का बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिला। इसके जरिए जहां सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिली, वहीं शैक्षिक विमर्श और जनसंवाद को भी काफी बढ़ावा मिला है। इससे हमारी संस्कृतियों के बीच संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस मंच ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को आगे बढ़ाया, इसलिए आने वाले समय में हम इस आयोजन को और वाइब्रैंट बनाने वाले हैं। यह वह भावना है, जो शताब्दियों से हमारे पर्व–त्यौहार, साहित्य, संगीत, कला, खान–पान, वास्तुकला और ज्ञान–पद्धतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वर्ष का यह समय हर देशवासी के लिए बहुत ही पावन माना जाता है। लोग बड़े उत्साह के साथ संक्रांति, उत्तरायण, पोंगल, माघ बिहू जैसे अनेक त्यौहार मना रहे हैं। ये सभी उत्सव मुख्य रूप से सूर्यदेव, प्रकृति और कृषि को समर्पित हैं। ये त्यौहार लोगों को आपस में जोड़ते हैं, जिससे समाज में सद्भाव और एकजुटता की भावना और प्रगाढ़ होती है। इस अवसर पर मैं आप सभी को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि इन उत्सवों के साथ हमारी सांझी विरासत और सामूहिक भागीदारी की भावना और देशवासियों की एकता को और मजबूत करेगी।

बंगाल में बढ़ता घमासान

पश्चिम बंगाल की राजनीति में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। लगातार ऐसे प्रकरण घटित हो रहे हैं जिनकी वजह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सक्रिय होना बता रहा है कि भाजपा यहां चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सब कुछ अपना रही है। चुनाव आयोग और ईडी दोनों संवैधानिक संस्थाएं हैं और दोनों की साख तभी कायम रहेगी, जब बिना राजनैतिक दबाव के ये कार्य करती दिखाई दें। लेकिन प. बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।पिछले हफ्ते ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए चुनावी रणनीति बनाने वाली एजेंसी आईपैक के दफ्तर और उसके सहसंस्थापक प्रतीक जैन के घर ईडी ने अचानक दबिश दी। यह छापेमारी कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के सिलसिले में दी गई थी और इसका कोई राजनैतिक मकसद नहीं था, ऐसा तर्क ईडी की तरफ से आया। जबकि टीएमसी का सीधा आरोप है कि यह राजनैतिक बदले की कार्रवाई थी और ईडी के जरिए अमित शाह टीएमसी की रणनीति चुराना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरीके से इस छापेमारी का विरोध किया, इसके खिलाफ रैली निकाली इसकी उम्मीद भाजपा को नहीं रही होगी। ईडी ने पहले कलकत्ता हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी के खिलाफ याचिका दी है कि उसने काम में बाधा डाली और ममता बनर्जी मौके पर आकर एक फाइल लेकर चली गईं। इधर टीएमसी ने भी हाईकोर्ट में याचिका दी थी। पिछले हफ्ते इस पर सुनवाई शुरु हुई, लेकिन भीड़ और हंगामे के कारण चल नहीं पाई। फिर बुधवार को फिर से सुनवाई हुई तो इसमें ईडी और भाजपा को बड़ा झटका लगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू बार–बार यही अपील करते रहे कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल है, इसलिए उस पर फैसला आने के बाद ही सुनवाई हो। राजू ने इस बात पर भी आपत्ति जाहिर की कि आई पैक की तरफ से अदालत में कोई मौजूद नहीं था। ईडी ने टीएमसी के आरोप खारिज करते हुए यह भी कहा कि उसने कोई दस्तावेज जब्त नहीं किए। सब कुछ ममता बनर्जी और उनके सहयोगी लेकर चले गए। इस पर टीएमसी की तरफ से पेश वकील मेनका गुरुस्वामी ने साफ कहा कि ईडी के इस बयान को दर्ज कर लिया जाए कि छापेमारी के दौरान कुछ भी जब्त नहीं किया गया। यानी भविष्य में अब ईडी किसी दस्तावेज को छापेमारी में बरामद सबूत के तौर पर पेश करना चाहे तो भी यह संभव नहीं होगा। क्योंकि ईडी ने खुद माना है कि उसने कुछ बरामद नहीं किया है। अदालत में टीएमसी ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक पार्टी के साथ मिलकर झूठे इल्जाम गढ़ रही है। फिलहाल ईडी की बार–बार अपील के बाद और टीएमसी की तरफ से दी गई दलीलों के बाद याचिका खारिज कर दी गई हैं, अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर क्या फैसला आता है, ये देखना होगा। हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर ईडी चाहे तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिर आ सकती है। यानी जिस उम्मीद से ईडी की छापेमारी आईपैक पर करवाई गई थी और उसके बाद अदालत में भी टीएमसी को घेरने की कोशिश हुई थी, उसमें फिलहाल भाजपा को नाकामी हासिल हुई है।

अपराधियों में पुलिस का खौफ जरूरी

अपराधियों के दिलोदिमाग से पुलिस का खौफ खत्म हो रहा है। आए दिन जिस तरह अपराधी तत्व अब सीधे पुलिस से टकराने से नहीं झिझक रहे हैं, वह चिंताजनक है। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी अपराधियों में पुलिस का भय बना रहना जरूरी है वर्ना अपराधी निर्भय होकर अपराध करने लग जाएंगे। देश भर में ऐसा वातावरण बन रहा है जिसमें पुलिस के इकबाल पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं लोगों में पुलिस और कानून का भय समाप्त हो रहा है। हाल ही में ऐसे अनेक रील वायरल हो रहे हैं जिनमें लोग पुलिस कर्मियों के साथ सीधे टकराव करते नजर आते हैं। अधिकतर लोग मारपीट और अपशब्दों का प्रयोग करते हैं। वहीं कुछ जानबूझकर रील बनाने के लिए महिला होने का फायदा उठाकर पुलिस वाले को उकसावा और दुर्व्यवहार करने के भी मामले सामने आ रहे हैं। यहां इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बहुत सारे ऐसे पुलिस वाले भी है जो कानून के दायरे से बाहर जाकर आम आदमी के साथ दुर्व्यवहार गाली–गलौज और मारपीट करते हैं। उनकी हजारों रील सोशल मीडिया पर वायरल है लेकिन क्या इस तरहकी अराजकता को बढ़ावा देने की सोच को प्रश्रय दिया जाना चाहिए? वहीं दूसरी ओर अपराधी तत्वों द्वारा भी पुलिस के इकबाल को चुनौती देने का सिलसिला जारी है। आपको बता दें कि जहां एक ओर देश में हत्या, लूटपाट, बलात्कार जैसे अपराध जोरों पर हैं तो दूसरी ओर कानून की रखवाली पुलिस भी अपराधी तत्वों के हाथों सुरक्षित नहीं है और अपराधी तत्वों द्वारा छापेमारी करने के लिए जाने वाली पुलिस पर भी हमले किए जा रहे हैं। आपको कुछ वारदातों से रूबरू करा स्थिति की गंभीरता से अवगत कराने की कोशिश करते हैं। एक रिपोर्ट में ऐसी वारदातों का हवाला दिया गया है। 11 जनवरी 2026 को बगहा पुलिस जिले के लौकरिया थाना के नवकाटोला गोबरहिया गांव में आपसी विवाद की सूचना पर पहुंची। डायल 112 टीम और गश्ती दल पर उग्र ग्रामीणों ने लाठी–डंडा से हमला कर दिया। महिला सिपाही की वर्दी फाड़ दी और वाहन क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसमें डायल 112 के चालक समेत नौ पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिमाचल प्रदेश में माफिया के दुस्साहस देखिए। चंबा जिला में 10 जनवरी 2026 शनिवार देर शाम 1.42 किलोग्राम चरस के साथ पकड़े युवक को पंचायत प्रधान समेत करीब 30 लोगों ने पुलिस की विशेष जांच इकाई (एसआइयू) पर हमला कर छुड़वा लिया। 18 जनवरी, 2025 को लुधियाना (पंजाब) के गांव कमालपुर में एक आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी के 12 साथियों ने तेज धार हथियारों से हमला करके एस.एच.ओ. समेत 4 पुलिस कर्मी घायल कर दिए।

2 अप्रैल, 2025 को सीकर (राजस्थान) के अजीतगढ़ में एक बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर बदमाश के साथियों ने हमला करके पुलिस की 3 गाड़ियां तोड़ दीं व अनेक पुलिस जवानों को घायल कर दिया। 22 मई, 2025 को बेगूसराय (बिहार) में मल्हीपुर बिन टोली गांव में अवैध शराब के धंधेबाजों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर शराबियों ने हमला करके अनेक पुलिस कर्मियों को घायल कर दिया। 27 मई, 2025 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के नाहल गांव में वाहन चोरी के 2 दर्जन से अधिक मामलों में वांछित गैंगस्टर को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची पुलिस टीम पर गैंगस्टर के साथियों ने हमला कर दिया और एक कांस्टेबल सौरभ कुमार की गोली मार कर हत्या कर दी। 20 दिसम्बर, 2025 को सुपौल (बिहार) में त्रिवेणीगंज के नरहाटोला में शराब के धंधेबाजों ने अवैध देसी शराब को नष्ट कर रहे पुलिस कर्मचारियों पर हमला करके 1 सब इंस्पैक्टर सहित 4 पुलिस कर्मचारियों को घायल कर दिया व पुलिस की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। 23 दिसम्बर, 2025 को मऊ (उत्तर प्रदेश) में रानीपुर थाना क्षेत्र के गांव पिरुआ में धोखाधड़ी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर आरोपी के साथियों ने हमला करके कई पुलिस कर्मियों को घायल कर दिया।

25 दिसम्बर, 2025 को मेरठ (उत्तर प्रदेश) में विभिन्न मामलों में वांछित 3 आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस टीम के सदस्यों को घेर कर दबंगों ने न केवल उनसे मारपीट की और उनकी गाड़ी तोड़ दी बल्कि एक सिपाही की वर्दी भी फाड़ डाली। 31 दिसम्बर, 2025 को समस्तीपुर (बिहार) में एक शराब तस्कर के ठिकाने पर छापेमारी करने गई पुलिस की टीम पर शराब के धंधेबाज और उसके साथियों ने पथराव करके एक दारोगा और पुलिस वाहन के ड्राइवर सहित 5 पुलिस कर्मचारियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। 9 जनवरी, 2026 को पलवल (हरियाणा) के मुंडकटी थाना क्षेत्र में अवैध शराब पकड़ने गई पुलिस टीम को तस्कर और उसके परिजनों ने गालियां निकालने के अलावा उन पर चाकुओं और लाठी–डंडों से हमला कर दिया और एक सिपाही की वर्दी भी फाड़ दी।

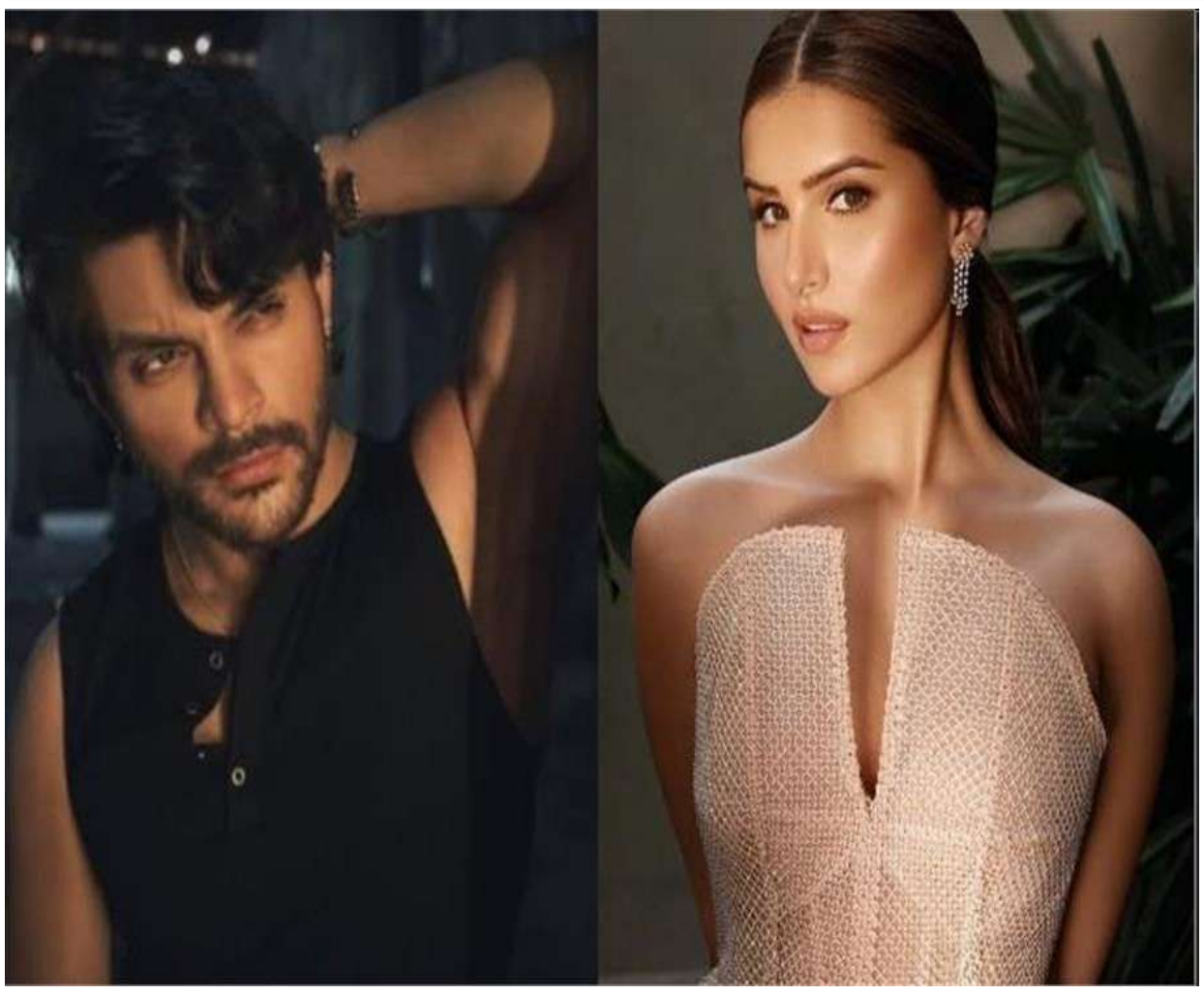

तारा सुतारिया संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच वीर पहाड़िया के क्रिप्टिक पोस्ट ने खींचा ध्यान, लिखा-वक्त बुरा हो या अच्छा..

बॉलीवुड की यंग और चर्चित जोड़ियों में गिने जाने वाले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया को लेकर इन दिनों ब्रेकअप की अटकलें तेज हो गई हैं। कुछ समय से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में यह चर्चा है कि दोनों का रिश्ता अब पहले जैसा नहीं रहा। इतना ही नहीं, हाल ही में नूपुर सेनन की रिसेप्शन पार्टी में भी वीर अकेले पहुंचे थे, जिससे उनके ब्रेकअप की अफवाहों को और हवा मिल गई। इन सब के बीच हाल ही में वीर पहाड़िया ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे उनके ब्रेकअप से जोड़कर देखा जा रहा है। बुधवार को वीर पहाड़िया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह ब्लैक टी–शर्ट में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, "वक्त बुरा हो या अच्छा, एक न एक दिन बदलता जरूर है।"वीर का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस इसे तारा सुतारिया से जुड़े ब्रेकअप रूमर्स से जोड़कर देख रहे हैं। इस पोस्ट को ओरी, भूमि पेडनेकर और करण जौहर जैसे कई सेलेब्स ने लाइक भी किया है।

वीर के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन आने लगे। कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि वीर और तारा एक–दूसरे के साथ बेहद अच्छे लगते थे। कुछ यूजर्स ने लिखा, "प्लीज ये अफवाहें सच न हों," तो वहीं कई फैंस ने दोनों से दोबारा सोचने और पैचअप करने की अपील की। लोगों का कहना है कि दोनों की केमिस्ट्री शानदार थी और उन्हें अलग नहीं होना चाहिए। बताया जा रहा है कि वीर और तारा के रिश्ते में दरार की चर्चा दिसंबर में मुंबई में हुए एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट के बाद तेज हुई। इस कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के साथ स्टेज शेयर किया था। दोनों ने साथ में गाना 'थोड़ी सी दारू' परफॉर्म किया, जिसे दर्शकों ने

> कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि वीर और तारा एक-दूसरे के साथ बेहद अच्छे लगते थे। कुछ यूजर्स ने लिखा, "प्लीज ये अफवाहें सच न हों," तो वहीं कई फैंस ने दोनों से दोबारा सोचने और पैचअप करने की अपील की। लोगों का कहना है कि दोनों की केमिस्ट्री शानदार थी और उन्हें अलग नहीं होना चाहिए।

खूब पसंद किया। हालांकि, इसी दौरान तारा और एपी ढिल्लों की नजदीकियों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं शुरू हो गईं। बताया गया कि इस कॉन्सर्ट में वीर पहाड़िया भी मौजूद थे और उनका रिएक्शन कैमरे में कैद होकर वायरल हो गया था। इसके बाद से ही दोनों के ब्रेकअप की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि वीर और तारा ने आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। फिलहाल वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि ये खबरें महज अफवाह हैं या वाकई दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं।

इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में..लाइव कॉन्सर्ट में हनी सिंह ने कह डाली अश्लील बात, लोगों ने लिया आड़े हाथ

मशहूर सिंगर और रैपर हनी सिंह अपने गानों से कम कॉन्ट्रोवर्सीज को लेकर ज्यादा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में फिर हनी सिंह विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह ने लाइव कॉन्सर्ट में हजारों लोगों की भीड़ में कुछ ऐसा आपत्तिजनक कह दिया जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। बस देखते ही देखते उनका ये वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। दरअसल, हाल ही में हनी सिंह दिल्ली में एक लाइव कॉन्सर्ट के लिए पहुंचे थे, जहां उन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस दौरान सिंगर ने कहा–शदिल्ली में इतनी ठंड है कि ऐसे में कार में... करने में मजा आ जाएगा. हनी सिंह का ये वीडियो जैसे ही सामने आया लोगों का गुस्सा भी उन पर फूट पड़ा। कोई उन्हें नशेड़ी कह रहा है, तो वहीं कोई उनके लिए कह रहा है कि वो कभी सुधर नहीं सकते हैं। एक यूजर ने लिखा, इंसान की फितरत कभी नहीं बदलतीश, एक अन्य यूजर ने लिखा, आपसे ये उम्मीद नहीं थीश। इसी तरह लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं इस वीडियो पर दी हैं। बता दें, इससे पहले भी हनी सिंह कई बार ऐसी अभद्र टिप्पणियां कर चुके हैं। इसके अलावा उनके कुछ गाने भी ऐसे हैं जो काफी विवादित हैं। हनी सिंह ने कई बार अपनी इस इमेज को सुधारने की कोशिश भी की लेकिन फिर कुछ दिनों के बाद वो किसी ना किसी कॉन्ट्रोवर्सी में फंस जाते हैं।

नागबंधन में पार्वती बनीं नभा नतेश, पोस्टर में बेहद खूबसूरत ट्रेडिशनल लुक ने खींचा ध्यान

कल मेकर्स ने आने वाली फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी थी, जिसमें बस एक छोटी सी झलक दिखाई गई थी। इस पोस्टर ने सबको पार्वती की पहचान को लेकर सोच में डाल दिया था, साथ ही आज रिवील करने का वादा भी किया गया था। अब आखिरकार इंतजार खत्म हो गया है और पार्वती से पर्दा उठ चुका है। अपकमिंग फिल्म नागबंधन में पार्वती के किरदार में नभा नतेश को पेश किया गया है, और इसके साथ मेकर्स ने उनका बेहद खूबसूरत पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने पार्वती के रोल में नाभा नतेश को रिवील किया। खूबसूरत एक्ट्रेस ट्रेडिशनल इंडियन साड़ी में बेहद स्टनिंग और अट्रैक्टिव लग रही हैं, जो पूरी तरह से एलिगेंस और ग्रेस दिखा रही हैं। पार्वती को रिवील करने के साथ–साथ मेकर्स ने फिल्म का टाइटल, नागबंधम भी रिवील किया और कैप्शन लिखा, नागबंधन के पोस्टर में पार्वती के रूप में ग्रेसफुल नजर आ रहीं नभा नतेश सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म का वादा भी करती हैं जो भारतीय संस्कृति में गहराई से रची–बसी है। पार्वती की उंगली पर बैठा खूबसूरत पक्षी एक सरप्राइज एलिमेंट जोड़ता है, वहीं बैकग्राउंड में मोर और मंदिर का माहौल इस बात का भरोसा दिलाता है कि कहानी भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े एक अलग ही आयाम को छुएगी। जहां नभा नटेश इस फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में नजर आने वाली हैं, वहीं वह तेलुगु और कन्नड़ सिनेमा की जानी–मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन 2019 में आई पस्मार्ट संकर से उन्हें बड़ी पहचान मिली, जिसके बाद वह 'पस्मार्ट ब्यूटी' के नाम से लोकप्रिय हो गईं। इसके अलावा, टाइटल के साथ जुड़ा दिलचस्प टैगलाइन 'द सीक्रेट ट्रेजर' फिल्म में छुपे रहस्य की ओर इशारा करता है,

जिसे कहानी के साथ धीरे–धीरे खोला जाएगा। इस खुलासे ने आने वाले कंटेंट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। नागबंधन की कहानी, स्क्रीनप्ले और निर्देशन अभिषेक नामा ने संभाला है। फिल्म को किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागीरेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसे समर 2026 में पैन–इंडिया रिलीज करने की योजना है।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुई रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में उजाला से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की। उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी–खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था। जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे श्राजा की आएगी बारातश का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। डायरेक्टर को पर्दे पर मेरा काम अच्छा लगा और सलीम अंकल को भी। मेरा चेहरा फोटोजेनिक है। वहीं से मेरी जर्नी शुरू हुई। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उसी भरोसे की वजह से आज मैं यहां तक पहुंची हूं। मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता–पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए। 'जब एहसास हुआ कि लोग मुझसे बेहतर काम की उम्मीद कर रहे हैं' फिर एक वक्त ऐसा आया जब मुझे एहसास हुआ कि मेरे फैंस मुझे बहुत प्यार करते हैं और मुझसे बेहतर काम की उम्मीद रखते हैं। तभी मुझे समझ आया कि मेरी जिम्मेदारी सिर्फ बेटी बनने की नहीं, बल्कि एक अभिनेता बनने की भी है। उसी मोड़ के बाद मैंने तय किया कि अब मुझे अच्छी कहानियां और मजबूत किरदार चुनने हैं। साथिया के बाद मेरी फिल्मों की दिशा पूरी तरह बदल गई। तभी मुझे लगा कि मैं सिर्फ काम नहीं कर रही, बल्कि अपने किरदारों के जरिए खुद को भी तलाश रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उस वक्त जब मैं शूटिंग के लिए जाती थी, तो पूरा ध यान सिर्फ काम पर होता था। हम कई जगहों पर जाते थे, लेकिन वहां घूमना नहीं होता था, बस शूटिंग होती थी। सुबह से शाम तक काम, फिर वापस आकर खाना और सो जाना। मन में अक्सर आता था कि काश कभी ऐसा मौका मिले कि इन जगहों को ठीक से देख सकूं, महसूस कर सकूं, एन्जॉय कर सकूं। आज वो मौका मुझे मिलता है। अब जब मैं यात्रा करती हूं, तो वहां का खाना खा पाती हूं, वहां की संस्कृति को जी पाती हूं।

आइवरी साड़ी में सजधजकर पति रणबीर संग दोस्त के रिसेप्शन में पहुंची आलिया भट्ट, जमकर किया एंजॉय

बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में शुमार आलिया भट्ट और रणबीर हमेशा अपनी केमिस्ट्री से लोगों का दिल जीतते है। हाल ही में दोनों अपनी व्यस्तताओं से थोड़ा वक्त निकालकर एक करीबी दोस्त के रिसेप्शन में पहुंचे, जहां उनका अंदाज देखते ही बना। पार्टी में रणबीर–आलिया ने जमकर ठुमके भी लगाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दोस्त की रिसेप्शन पार्टी में रणबीर कपूर पारंपरिक अंदाज में बेहद आकर्षक नजर आए। उन्होंने ब्लैक कुर्ता के साथ हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला नेहरू जैकेट पहना, जो उनके लुक को क्लासी टच दे रहा था। वहीं आलिया भट्ट ग्लिटर वाली आइवरी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। साड़ी के साथ उन्होंने ब्लू मोतियों से सजा ब्लाउज कैरी किया, जिसने उनके पूरे लुक को और भी एलिगेंट बना दिया। आलिया ने अपने बालों को स्लिक बन में स्टाइल किया था और डायमंड ईयररिंग्स के साथ पर्ल चोकर पहनकर अपने लुक को कंप्लीट किया। सादगी और ग्लैमर का यह कॉम्बिनेशन फैंस को खूब पसंद आ रहा है। रिसेप्शन के दौरान कपल ने सिर्फ स्टाइल ही नहीं, बल्कि डांस से भी सुर्खियां बटोरीं। ढोल की थाप पर आलिया और रणबीर ने इम्प्रोवाइज डांस किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों दोस्तों के साथ खुलकर एंजॉय करते दिखाई दे रहे हैं। फैंस इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कपल की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। काम की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ विक्की कौशल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं आलिया भट्ट भी अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी व्यस्त हैं। वह यशराज फिल्म्स की स्पाय यूनिवर्स में 'अल्फा' फिल्म के जरिए एंट्री करने जा रही हैं, जिसे लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है।

वीजा फ्री एंट्री चाहिए तो इन देशों में घूम आइये

जो लोग नये साल की छुट्टियों में विदेश जाकर घूमने की योजना बना रहे हैं उनके लिए खुशखबरी यह है कि थाईलैंड, श्रीलंका और मलेशिया ने भारतीयों को वीजा फ्री प्रवेश देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल भारतीय लोग बाहर घूमने–फिरने पर काफी खर्च करते हैं और हालिया आंकड़े दर्शाते हैं कि महामारी से उपजे हालात से प्रभावित हुए वैश्विक पर्यटन व्यवसाय को उबारने में भारतीय पर्यटकों की बड़ी भूमिका रही है। इसीलिए खासतौर पर भारत के पड़ोसी देशों में होड़ लगी है कि वीजा फ्री एंट्री देकर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपने देश में घूमने फिरने के लिए बुलाया जाये। लेकिन यहां पर्यटकों को एक बात समझने की जरूरत है कि वीजा फ्री का मतलब सब कुछ फ्री नहीं है। पहली अनिवार्यता तो पासपोर्ट की है और यह पासपोर्ट आपके वापस आने की तारीख से छह महीने ज्यादा समय तक वैध होना चाहिए। पासपोर्ट के अलावा आपको इन देशों में जाने के समय होटल की बुकिंग पहले करानी होगी। यदि आप अपने रिश्तेदार या परिचित के पास रुकने वाले हैं तो उसकी सारी जानकारी देनी होगी। इसके अलावा कई देशों की ओर से तीन या चार महीने की बैंक स्टेटमेंट भी देखी जाती है उसके बाद ही किसी का जाना कन्फर्म हो पाता है। जहां तक किन–किन देशों की ओर से भारतीयों को वीजा फ्री एंट्री देने की बात है तो आपको बता दें कि मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक दिसंबर से भारतीय एवं चीनी नागरिकों को 30 दिन का वीजा मुक्त प्रवेश दिए जाने की घोषणा की है। अनवर इब्राहिम ने कहा कि वर्तमान में खाड़ी देशों और तुर्किये एवं जॉर्डन सहित अन्य पश्चिम एशियाई देशों को यह सुविधा प्राप्त है तथा अब यह भारत और चीन को भी दी जाएगी। इब्राहिम ने साथ ही कहा कि वीजा छूट के दौरान कड़ी सुरक्षा जांच की जाएगी। उन्होंने कहा है कि मलेशिया आने वाले सभी पर्यटकों और आगंतुकों की प्रारंभिक जांच की जाएगी। सुरक्षा एक अलग मामला है। यदि किसी व्यक्ति का आपराधिक रिकॉर्ड हैं या किसी से आतंकवाद का खतरा है तो उसे प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मलेशिया में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या के मामले में भारत शीर्ष देशों में शामिल है। 'मलेशिया टूरिज्म प्रमोशन बोर्ड' के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में मलेशिया में कुल 3,24,548 भारतीय पर्यटक आए। 2023 की पहली तिमाही में मलेशिया में 1,64,566 भारतीय पर्यटक आए, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 13,370 पर्यटक आए थे। मलेशिया के अलावा थाईलैंड और श्रीलंका ने भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हालिया सप्ताह में इसी प्रकार की घोषणाएं की थीं। इस समय आठ आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) देशों को सामाजिक यात्राओं, पर्यटन और व्यापार के उद्देश्य से मलेशिया में 30–दिवसीय वीजा–मुक्त प्रवेश दिया जा रहा है। श्रीलंका ने भारत, चीन, रूस, मलेशिया, जापान, इंडोनेशिया और थाईलैंड के लिए वीजा–मुक्त प्रवेश पहल शुरू की है, जो 31 मार्च 2024 तक लागू करेगी। थाईलैंड ने भी भारत एवं ताइवान के लोगों को यह छूट दी है, जो 10 मई, 2024 तक जारी रहेगी।

सर्दियों में नहीं होते हाथ–पैर गर्म तो ये घरेलू तरीके दूर करेंगे परेशानी

इन दिनों दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। बढ़ती सर्दी से बचने के लिए लोग कभी चाय तो कभी रजाई में घुसकर सर्दी से की मार से खुद को बचा रहे हैं लेकिन इस सर्दी में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो घंटों तक भी रजाई में घुसे रहें फिर भी उनके हाथ–पैर गर्म नहीं होते। लाख कोशिश के बाद भी हाथ–पैर ठंडे रहते हैं। चलिए अपने इस आर्टिकल के जरिए आपको बताते हैं कि सर्दियों में आपके हाथ–पैर भी ठंड क्यों रहते हैं तो आप इस परेशानी से राहत कैसे पा सकते हैं। आइए जानते हैं...

इस वजह से ठंडे रहते हैं हाथ–पैर

सर्दियों में हथेलियां और पैर के पंजे ठंडे रहने का कारण शरीर में खून के जरिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन न पहुंच पाना है। शरीर में खराब ब्लड सर्कुलेशन के कारण से व्यक्ति को हाथ–पैरों में ठंड ज्यादा लगती है। इसके अलावा कई बार एनीमिया नर्व डैमेज, डायबिटीज के कारण भी यह समस्या हो सकती है।

सेंधा नमक वाले पानी के साथ नहाएं

यदि आपके हाथ–पैर सर्दियों में ठंडे रहते हैं तो घर में मौजूद सेंधा नमक के साथ नहाएं। इसके अलावा सेंधा नमक वाले गर्म पानी में सिर्फ अपने हाथ–पैर डालकर कुछ देर बैठें। इससे भी आपको समस्या से राहत मिलेगी। सेंधा नमक आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम देता है।

गर्म तेल के साथ मसाज करें

इस मौसम में हाथ–पैरों को गर्म करने के लिए गर्म तेल के साथ इनकी मालिश करें। इससे शरीर में सही तरह से ऑक्सीजन की सप्लाई होगी। हाथ–पैरों को गर्म करने के साथ गर्म तेल से मालिश करने से शरीर को और भी कई फायदे होंगे।

ज्यादा पानी पिएं

इस मौसम में कई लोगों की यह शिकायत होती है कि उन्हें प्यास बहुत कम लगती है लेकिन शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सही बनाए रखने के लिए ठंड के मौसम में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं।

आयरन से भरपूर फूड्स खाएं

यदि आप एनीमिया से पीड़ित हैं तो भी आपको हाथ–पैरों में ज्यादा ठंड लगेगी। ऐसे में आपके हाथ–पैर हमेशा ठंडे ही रहें। शरीर में से खून की कमी दूर करने के लिए खजूर, सोयाबीन, पालक, सेब, अखरोट, ऑलिव ऑयल और चुकंदर का सेवन करें।

मीठा और वसायुक्त खाना न खाएं

इस तरह का भोजन करने से व्यक्ति को कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने लगती है जिसके कारण से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही नहीं हो पाता और हाथ पैर ठंडे रहने की समस्या बढ़ सकती है।

ये हैं पित्ते में पथरी होने के लक्षण, बचाव के लिए रखें इन बातों का ख्याल

आज के समय में देखा जा रहा है कि लोगों में पथरी की समस्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। बच्चों से लेकर बड़े तक इसका शिकार हो रहे है। पित्ताशय एक छोटा अंग है जो पेट के ठीक ऊपर और दांय और उपस्थित होता है। पित्त की पथरी के कारण शरीर के इस हिस्से में असहनीय दर्द होता है। अगर आपको पथरी हो तो इसका दर्द कभी भी हो सकता है। पित्ताशय की पथरी निकालने के लिए ऑपरेशन ही एकमात्र उपाय है अन्य कोई उपचार प्रभावी नहीं होता। इसमें डॉक्टरों के द्वारा सर्जरी से पेट में छेद करके निकाला जाता है। कोशिश करें कि पथरी बनने ही न दें ।

पित्त की पथरी बनने के कारण

जब गॉलब्लैडर में तरल पदार्थ की मात्रा सूखने लगती है तो उसमें मौजूद चीनी–नमक और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट तत्व एक साथ जमा होकर छोटे–छोटे पत्थर के टुकड़ों जैसा रूप धारण कर लेते हैं, जिन्हें गॉलस्टोन्स कहा जाता है। अक्सर होता ये है कि पित्ताशय में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन और पित्त लवणों का जमाव हो जाता है। 80 प्रतिशत पथरी कोलेस्ट्रॉल की बनी होती। है। धीरे–धीरे वे कठोर हो जाती हैं तथा पित्ताशय के अंदर पत्थर का रूप ले लेती है। कोलेस्ट्रॉल स्टोन पीले–हरे रंग के होते हैं। इसका एक और कारण पित्त का पर्याप्त रूप से खाली न होना भी हो सकता

है। जिसके कारण गाढ़े पित्त का संग्रहण होने लगता है और पथरी बन सकती है।

पित्त की पथरी के लक्षण

पित्ताशय में सूजन और दाहिनी बगल में दर्द

पेट भर जाना और डकार आना

यूरिन का पीला और गहरा पड़ना

बुखार

पीलिया

उल्टी होना

पसीना

पेट में दर्द

पित्ताशय की पथरी से कैसे करें बचाव

– सुबह खाली पेट 50 मि.ली. नींबू का रस पीने से एक सप्ताह में असर दिखने लगता है।

– तली और भुनी चीजों से रखें दूर रहें।

– गाजर और ककड़ी का रस को 100 मी.ली की मात्रा में मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए।

– शराब, सिगरेट, चाय, कॉफी और शक्कर से परहेज करें।

– नाश्पति खाना पित्त की पथरी के लिए फायदेमंद है।

– अधिक मात्रा में हरी सब्जियां और फलों का सेवन करें।

– पित्त की पथरी का उपचार करने के लिए आप योग और व्यायाम का सहारा भी लें सकते है।

चाय की लत आपकी सेहत पर डाल सकती है बुरा असर, आज ही से छोड़ दें ऐसी आदत

बहुत सारे लोग बिना सोचे–समझे दिन में 5–6 कप या फिर उससे अधिक चाय का सेवन करते हैं। वहीं कुछ लोग यदि चाय नहीं पीते हैं, तो उनको सिरदर्द होने लगता है। आपको बता दें कि इस आदत को टी एडिक्शन कहते हैं। क्योंकि जब एक बार चाय की लत लग जाती है, तो फिर दिन में बिना सोचे कई कप चाय पीने लगते हैं। कुछ लोग पूरा दिन भूखे रहते हैं, लेकिन दिनभर में 8–10 कप चाय पीते हैं। टी एडिक्शन होने पर व्यक्ति को कई तरह की बीमारियों का खतरा रहता है। इसलिए चाय की इस लत से आपका बचना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप भी चाय की लत को कम करना या छोड़ना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह से चाय की लत को खत्म कर सकते हैं।

कम क्वांटिटी में चाय लें

कुछ लोग गिलास या कप भरकर चाय का सेवन करना पसंद करते हैं। लेकिन बता दें कि यह बहुत गलत आदत होती है। ऐसा बार–बार करने से आपको कैफीन लेने की लत लग जाती है। इसलिए प्रयास करें कि कॉफी या चाय जैसी कैफीन युक्त चीजों का सेवन कम से कम क्वांटिटी में करें।

लंबे समय तक भूखा रहना

कई लोग लंबे समय तक भूखे रहते हैं और काम करने के दौरान कई कप चाय पी डालते हैं। ऐसा करने से आपको भूखे रहने की आदत हो जाती है और चाय की लत लग जाती है। इसलिए अगर आप भी चाय की लत को छोड़ना या कम करना चाहती हैं, तो ब्रेकफास्ट के बाद चाय पीना चाहिए। जिससे कि आप सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करें।

बार–बार उबालकर चाय पीना

बहुत से लोग काफी देर तक उबली हुई या फिर बार–बार उबली हुई चाय का सेवन करते हैं। यह आपकी सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाता है। इसलिए प्रयास करें कि इस तरह से चाय का सेवन करने से बचें। क्योंकि इस चाय में कैफीन की मात्रा ज्यादा हो जाती है। जो आपकी सेहत पर बुरा असर डालती है।

चाय की जगह पिएं हेल्दी ड्रिंक्स

अगर आप भी चाय की आदत को छोड़ना चाहते हैं, लेकिन बार–बार आपका मन चाय पीने को करता है। तो आप दूध वाली चाय की जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ऐसा करने से आप चाय पीने की लत को काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं।

संक्षिप्त

अब गर्भ में पल रहे बच्चे को भी मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ, हेल्थ पॉलिसी लॉन्च

अब गर्भ में पल रहे बच्चे को भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। बजाज जनरल इंश्योरेंस ने फीटल फ्लोरिश नामक बीमा पॉलिसी पेश की है। यह भ्रूण स्वास्थ्य बीमा है, जिसका प्रीमियम 1,025 रुपये है। इसे गर्भाशय में होने वाली प्रक्रियाओं, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं व उन्नत भ्रूण प्रक्रियाओं के लिए बनाया गया है। इसके तहत 18 से 45 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए गर्भाशय में होने वाली 16 विशेष प्रक्रियाओं को कवर किया जाएगा। यह पॉलिसी प्रमुख उत्पादों माई हेल्थ केयर प्लान और हेल्थ गार्ड के साथ उपलब्ध है। फीटल फ्लोरिश प्रसवपूर्व देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञता और बीमा डिजाइन को एक साथ लाती है। यह पॉलिसी गर्भ के अंदर अजन्मे बच्चे की सुरक्षा पर केंद्रित है। अब तक समर्पित बीमा योजना के अभाव में इन प्रक्रियाओं का पूरा खर्च परिवारों को ही उठाना पड़ता था। बजाज जनरल इंश्योरेंस के एमडी–सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, गर्भावस्था हर परिवार के लिए बेहद निजी यात्रा होती है, जो आशा, उम्मीद और बच्चे के सर्वोत्तम हित की कामना से भरी होती है। भ्रूण देखभाल में प्रगति ने जल्द हस्तक्षेप करना संभव बना दिया है, लेकिन वित्तीय बोझ अनुभव को और भी कठिन बना सकता है। यह पेशकश हमारे इस विश्वास को दर्शाती है कि देखभाल और सुरक्षा जीवन के शुरुआती चरण से ही शुरू होनी चाहिए। इस पॉलिसी में 2 लाख रुपये तक का राइडर होगा। यह पहली दो घटनाओं के लिए होगा। इसमें बेसिक हेल्थ इंडेम्निटी पॉलिसी के तहत दो प्रसूति घटनाओं के लिए कवरेज उपलब्ध है। पॉलिसी शुरू होने से 9 महीने की प्रतीक्षा अवधि होगी। जो 16 प्रक्रियाएं कवर होंगी, उनमें एमनियोसेंटेसिस, कोरियोनिक विलस सैंपलिंग, परक्यूटेनियस अम्बिलिकल ब्लड सैंपलिंग, एमनियोइन्फ्यूजन, फीटल टिश्यू बायोप्सी, एमनियो–रिडक्शन, थोराकोम्निओटिक शंट, फेटोस्कोपी, टीटीटीएस के लिए फेटोस्कोपिक लेजर सर्जरी, फीटल रिडक्शन, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स, फीटल सिस्टोस्कोपिक सर्जरी, जन्मजात डायाफ्रामिक हर्निया के लिए फीटो, एमनियोटिक बैंड सिंड्रोम सर्जरी व फीटल एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी और अन्य हैं।

चांदी में नरमी कीमतों में आई 4000 रुपये की गिरावट, सोना भी टूटा

नई दिल्ली,एजेंसी। चांदी के वायदा भाव में पांच दिनों की रिकॉर्ड तोड़ तेजी समाप्त हो गई। शुक्रवार को इसमें 4,027 रुपये की गिरावट आई और यह 2,87,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। वहीं सोने की कीमतें गिरकर 1,42,601 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं क्योंकि निवेशकों ने कमजोर वैश्विक रुझानों

और मजबूत अमेरिकी डॉलर के मद्देनजर मुनाफावसूली की। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों के कारण गुरुवार को सुबह के सत्र में एमसीएक्स पर कमोडिटी का कारोबार बंद रहा और बाद में शाम के सत्र में कारोबार फिर से शुरू हुआ। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मार्च डिलीवरी के लिए चांदी के वायदा भाव में 4,027 रुपये या 1.38 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 9,890 लॉट के कारोबार में 2,87,550 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। गुरुवार को सफेद धातु ने 2,92,960 रुपये प्रति किलोग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव में भी व्यापारियों द्वारा मुनाफावसूली देखी गई। फरवरी अनुबंध के लिए पीले कीमती धातु का भाव 520 रुपये या 0.36 प्रतिशत गिरकर 14,194 लॉट में 1,42,601 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलांत्री ने कहा कि शुक्रवार को सोने और चांदी में भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिला। उम्मीद से कमजोर अमेरिकी साप्ताहिक बेरोजगारी दावों ने अमेरिकी डॉलर को मजबूत किया। वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान पर नरम रुख ने कीमती धातुओं की सुरक्षित निवेश के रूप में मांग को कम कर दिया।

खुशी मुखर्जी पर 100 करोड़ के मानहानि का केस करने को भेजा पत्र

गाजीपुर,एजेंसी। मुंबई निवासी फैजान अंसारी का पत्र वायरल हो रहा है। इसमें वह अभिनेत्री खुशी मुखर्जी की गिरफ्तारी के लिए गाजीपुर एसपी डॉ. ईरज राजा से गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। यही नहीं उन्होंने पत्र में लिखा कि क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव पर अभिनेत्री का आरोप झूठा व बेबुनियाद है। फैजान अंसारी ने बीते 10 जनवरी को पत्र भेजा था। उधर, एसपी ने ऐसे किसी तरह के पत्र मिलने और कार्रवाई से इनकार कर दिया। हालांकि वायरल पत्र का संवाद न्यूज एजेंसी पुष्टि नहीं करता है। वायरल पत्र में फैजान अंसारी ने अपने पत्र में लिखा है कि अभिनेत्री खुशी मुखर्जी ने भारतीय क्रिकेटर सूर्य कुमार यादव जो गाजीपुर जिले के हथौड़ा सिधौना के रहने वाले हैं। उन पर झूठा व बेबुनियाद आरोप लगाया है कि उससे व्हाट्सएप पर बात करते थे।

क्या आसान प्रारूप होने की वजह से वनडे खेलते हैं कोहली? हरभजन ने मांजरेकर के दावे की खोली पोल

मुंबई,एजेंसी। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने संजय मांजरेकर पर निशाना साधा है। उन्होंने मांजरेकर के उन दावों पर बात की है जिसमें उन्होंने कहा था कि विराट कोहली सिर्फ वनडे में इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि यह टेस्ट की तुलना में आसान प्रारूप है, जबकि उनके समकक्ष (जो रूट, केन विलियम्सन और स्टीव स्मिथ) टेस्ट में अपनी धाक जमाने में लगे हैं। मांजरेकर के इस बयान पर सोशल मीडिया दो हिस्सों में बंट गया था। जहां कुछ लोगों ने उनके बयान का समर्थन किया था, वहीं कई पूर्व क्रिकेटर समेत फैंस ने मांजरेकर की जमकर आलोचना की थी। अब इस मामले में हरभजन सिंह भी कूद पड़े हैं और उन्होंने विराट कोहली का समर्थन किया है। हाल ही में संजय मांजरेकर ने एक बहस छेड़ दी, जब उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने टॉप–ऑर्डर बल्लेबाज के लिए सबसे आसान फॉर्मेट चुना। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मांजरेकर ने कहा, अगर विराट कोहली क्रिकेट से ही संन्यास ले लेते, सभी फॉर्मेट से, तो ठीक था, लेकिन उन्होंने वनडे क्रिकेट खेलना चुना, इस बात ने मुझे और ज्यादा निराश किया, क्योंकि यह फॉर्मेट टॉप– ऑर्डर बैटर के लिए सबसे आसान है। असली परीक्षा टेस्ट क्रिकेट में होती है और टी20 क्रिकेट में अलग तरह की चुनौतियां हैं।

हालांकि हरभजन सिंह ने इस तर्क को पूरी तरह खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में सफलता को फॉर्मेट के आधार पर नहीं बांटा जा सकता। एक कार्यक्रम के दौरान, जैसा कि स्पोर्टस्टार ने रिपोर्ट किया, पूर्व ऑफ–स्पिनर ने कहा कि ध्यान प्रदर्शन और प्रभाव पर होना चाहिए, न कि फॉर्मेट पर। हरभजन ने कहा, अगर किसी भी फॉर्मेट में रन बनाना इतना आसान होता, तो हर कोई बना लेता। हमें बस इस बात का आनंद लेना चाहिए कि खिलाड़ी क्या कर रहे हैं। वे अच्छा खेल रहे हैं, मैच जिता रहे हैं, रन बना रहे हैं, विकेट ले रहे हैं, बस वही मायने रखता है। यह कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन सा खिलाड़ी कौन सा फॉर्मेट खेलता है। विराट एक फॉर्मेट खेले या सभी खेलें, वे भारत के लिए बड़े मैच विनर रहे हैं। हरभजन सिंह ने यह भी कहा कि कोहली का प्रभाव सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, ये खिलाड़ी अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। मांजरेकर की अपनी सोच है। मेरे नजरिए से विराट और ऐसे खिलाड़ी इस खेल को आगे ले जाने में बड़ी भूमिका निभा चुके हैं। विराट कोहली पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने टेस्ट में शानदार करियर के साथ 29 शतक जमाए और विदेशों में कई अहम जीत दिलाईं। टेस्ट के बाद भी वे वनडे में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक भारत के लिए खेलने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। हरभजन ने कहा कि कोहली का टेस्ट का दर्जा आज भी जस का तस है। उन्होंने कहा, शविराट एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। आज भी अगर वे टेस्ट क्रिकेट खेलें, तो हमारे लिए वही मुख्य खिलाड़ी होंगे। कोहली का हालिया फॉर्म भी यह साबित करता है। उन्होंने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन बनाए। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए थे। फॉर्मेट और लंबी पारी खेलने को लेकर बहस जारी है, लेकिन हरभजन सिंह का रुख यह बताता है कि महानता फॉर्मेट से नहीं, प्रभाव से मापी जाती है।

राशिद ने क्यों छोड़ा एमआई केप टाउन का साथ ? टी20 विश्व कप से अचानक बाहर हुए तेज गेंदबाज नवीन उल हक

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। इसी के साथ वह वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले सप्ताह शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइनफो की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने के अंत में नवीन उल हक सर्जरी कराएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक उनके रिप्लेसमेंट का एलान नहीं किया है। टी20 विश्व कप के लिए अफगानिस्तान की टीम में रिजर्व में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह गजनफर, बल्लेबाज इजाज अहमदजई और तेज गेंदबाज जिया उर रहमान शरीफी शामिल हैं। गजनफर को मौका दिया जा सकता है। रिपोर्ट में नवीन को कहां चोट लगी है, इस बारे में नहीं बताया गया है। यह उनके लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वह अफगानिस्तान के लिए दिसंबर 2024 के बाद नहीं खेल सके हैं। इसके बाद से उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 में और अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में तो हिस्सा लिया, लेकिन अपने देश के लिए नहीं खेल सके।

एशिया कप 2025 से पहले उन्हें कंधे में चोट लगी थी और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उन्होंने इसके बाद आईएलटी20 में वापसी की थी और एमआई अमीरात टीम के लिए खेले थे। अब वह फिर से चोटिल हो गए हैं। इसी बीच अफगानिस्तान के दिग्गज लेग स्पिनर और कप्तान राशिद खान ने दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 का साथ छोड़ दिया है। वह एमआई केप टाउन के लिए खेल रहे थे। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलते दिख सकते हैं। कीरोन पोलार्ड बाकी बचे मैचों के लिए राशिद को एमआई केप टाउन में रिप्लेस करेंगे। डिफेंडिंग चौंपियन एमआई केप टाउन इस वक्त अंक तालिका में सबसे नीचे है। आठ मैचों में टीम ने सिर्फ दो जीत हासिल की है और पांच में टीम को हार मिली है। राशिद के अलावा मुजीब उर रहमान ने भी एसए20 में अपनी टीम पार्ल रॉयल्स का साथ छोड़ दिया है। पोलार्ड ने हाल ही में आईएलटी20 में हिस्सा लिया था और अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, राशिद एमआई केप टाउन की कप्तानी भी कर रहे थे। ऐसे में पोलार्ड के कप्तान बनने की संभावना कम है। रसी वान डर डुसेन या फिर रेयान रिकेल्टन को कमान सौंपी जा सकती है।

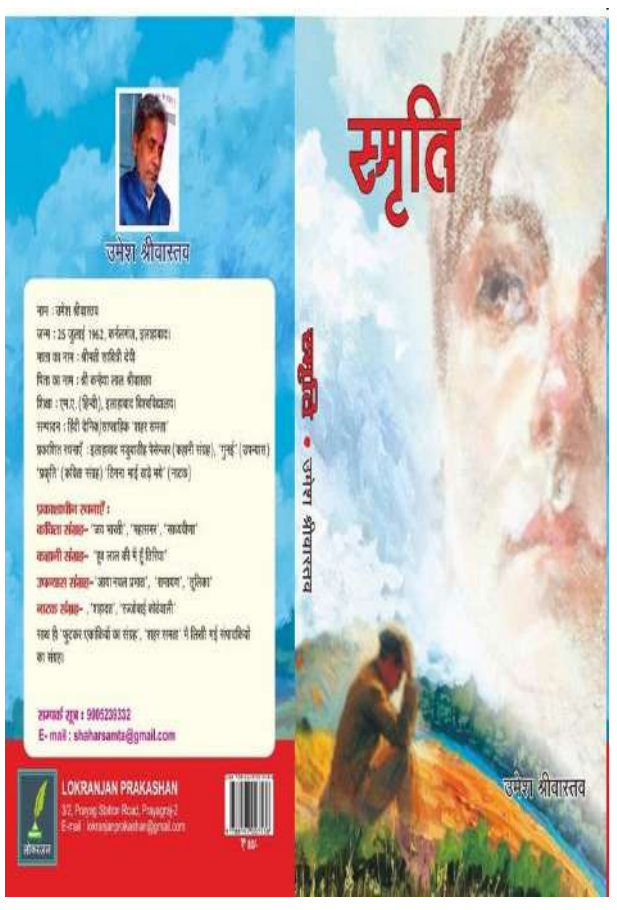

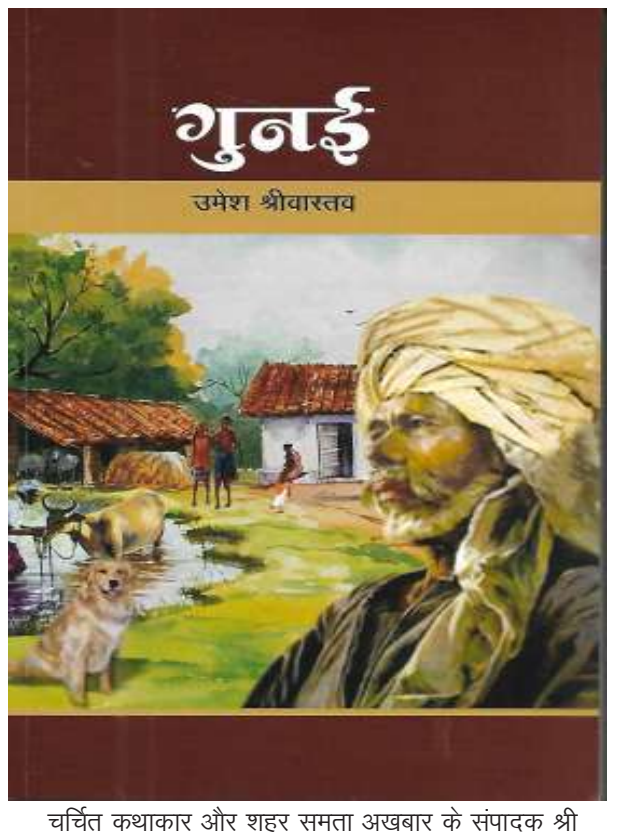

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

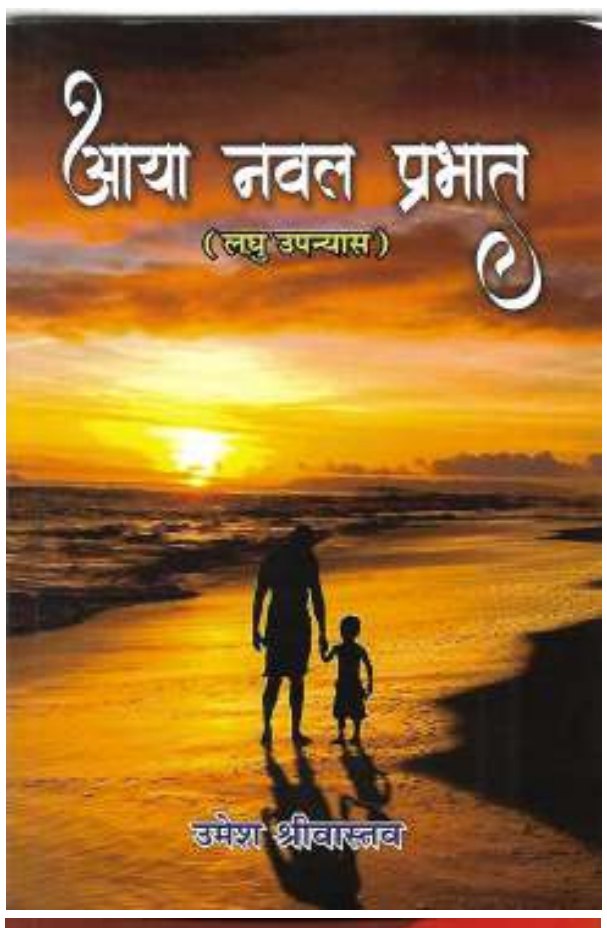

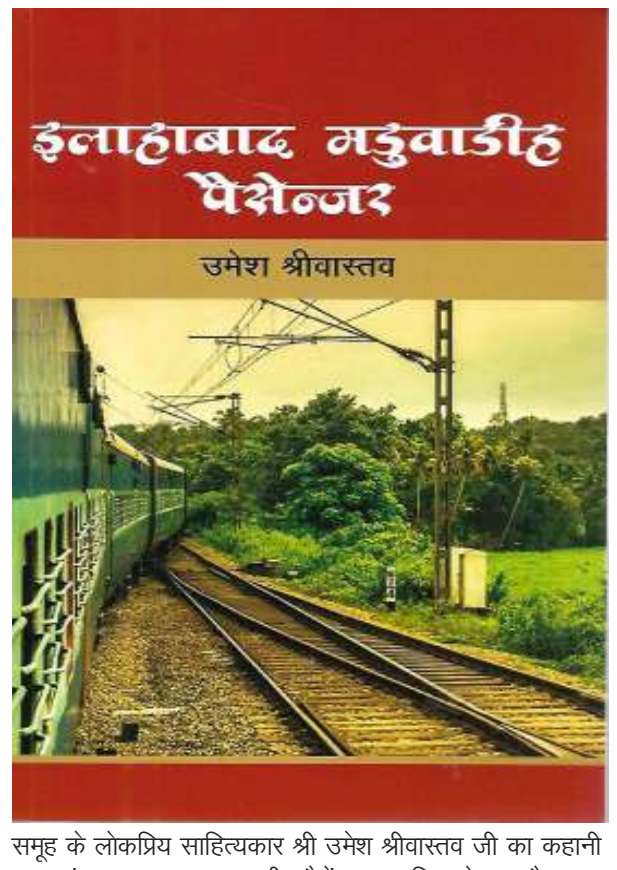

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

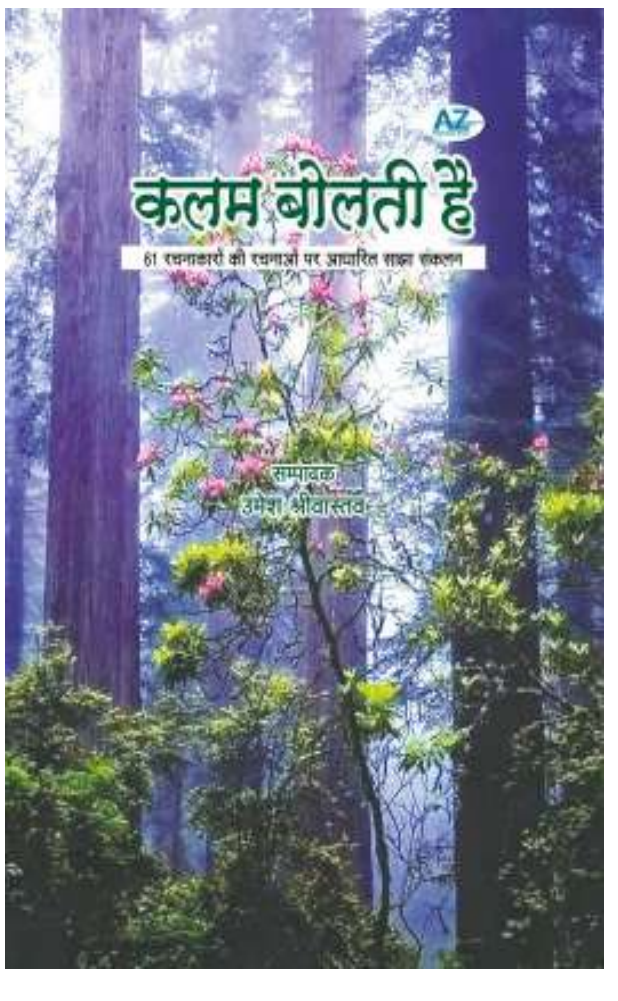

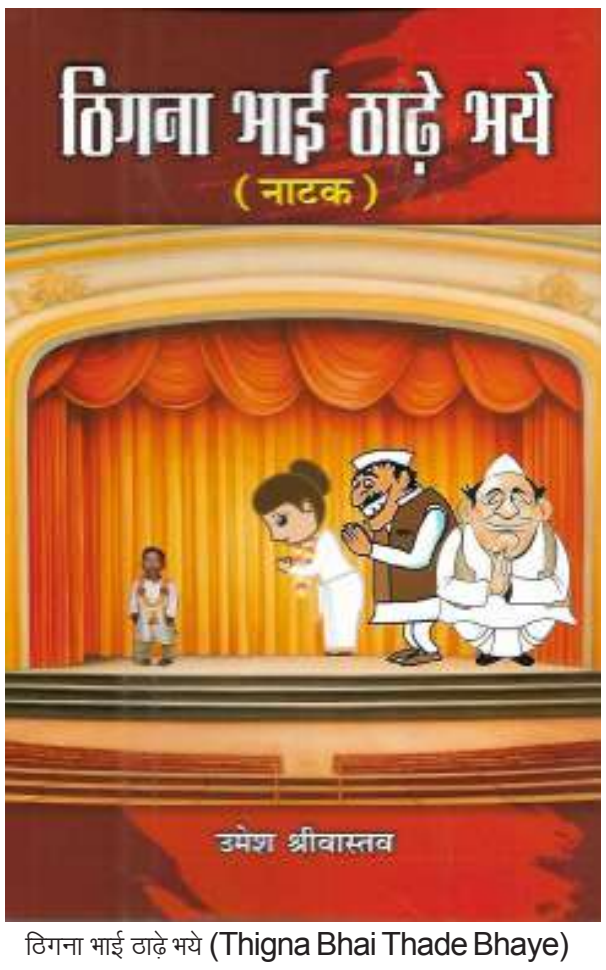

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भूकंप के झटकों से दहला अमेरिका का ओरेगॉन, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.2 रही

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगॉन इलाके के तटीय क्षेत्र में गुरुवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर

भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 6.2 रही। हालांकि इसमें अभी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर द्वारा अभी तक सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते।

चीन के 5 फीसदी विकास लक्ष्य पर संकट, हाईटेक रणनीति से नहीं बन रही बात

एजेंसी/चीन की अर्थव्यवस्था को रियल एस्टेट संकट से बाहर निकालने के लिए एआई, रोबोटिक्स व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर लगाया गया दांव नतीजे देने में सक्षम नहीं हो रहा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था रॉडियम ग्रुप के मुताबिक, चीन को 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी है, तो नए उद्योगों को हर साल निवेश वृद्धि को 2 पॉइंट ऊपर ले जाना होगा।

यह मामूली हिस्सा नहीं, बल्कि निवेश वृद्धि दर में बड़ी बढ़ोतरी है, जो मौजूदा हालात में हासिल करना कठिन नजर आता है। 2023 से 2025 के बीच एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक कारों जैसे नए उद्योगों ने आर्थिक उत्पादन वृद्धि की रफ्तार को मिलाकर सिर्फ 0.8 पॉइंट ऊपर किया। रियल एस्टेट और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की कमजोरी ने आर्थिक वृद्धि को 6 पॉइंट नीचे खींच लिया। यह अंतर दिखाता है कि हाई–टेक सेक्टर भले ही बढ़ रहे हों, लेकिन वे अभी इतने बड़े और प्रभावशाली नहीं हैं कि प्रॉपर्टी और पारंपरिक उद्योगों में आई गिरावट से पैदा हुए दबाव की भरपाई कर सकें। हाल के वर्षों में बीजिंग ने लगातार करीब 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल ही 2.8 ट्रिलियन युआन के अतिरिक्त निवेश की जरूरत होगी। यह 2025 के मुकाबले 120 फीसदी अधिक है। एआई या रोबोटिक्स जैसे कुछ सेक्टरों में निवेश तेज हो सकता है, लेकिन उभरते उद्योगों के लिए इतनी तेज और टिकाऊ रफ्तार बनाए रखना मुश्किल होगा। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग सबसे तेज वृद्धि दर पहले ही देख चुका है व आने वाले वर्षों में रफ्तार धीमी पड़ सकती है। चीन के नए औद्योगिक सेक्टर कर्मचारियों को उच्च वेतन तो देते हैं, लेकिन वे पारंपरिक उद्योगों की तुलना में काफी कम रोजगार देते हैं। फैक्टरी ऑटोमेशन में वृद्धि और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में चीन के पहले से मौजूद 30 फीसदी हिस्से के चलते एक दशक में 10 करोड़ तक नौकरियां खत्म होने का खतरा है। पिछले साल चीन की शहरी बेरोजगारी दर अधिकांश समय 5 प्रतिशत से ऊपर रही। युवाओं में बेरोजगारी इससे लगभग तीन गुना अधिक दर्ज की गई।

US: मारिया कोरिना मचाडो ने ट्रंप को दिया अपना नोबेल पुरस्कार, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला की विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रतीकात्मक तौर पर अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई थी। वॉशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मचाडो ने बताया कि उन्होंने यह पदक राष्ट्रपति ट्रंप को सौंपा। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ट्रंप ने इसे स्वीकार किया या नहीं। रॉयटर्स के मुताबिक, मचाडो ने इस मुद्दे पर आगे सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप पहले भी सार्वजनिक रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा जता चुके हैं। जबकि नोबेल समिति का कहना है कि यह पुरस्कार किसी और को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

ट्रंप ने लिया यू-टर्न! ईरानी राजदूत का दावा- हमला नहीं करने का दिया भरोसा

इस्लामाबाद, एजेंसी। एक तरफ ईरान में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार और भयावह होता जा रहा है। दूसरी ओर अमेरिका की तरफ से विरोध कर रहे प्रदर्शकारियों का खुला समर्थन और फिर सैन्य कार्रवाई की धमकी ने वैश्विक राजनीति में तहलका सा मचा रखा है। ऐसे में अब एक बड़ा दावा सामने आ रहा है। दावा यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमला नहीं करने का भरोसा दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

क्या अफगानिस्तान में पाकिस्तान को पछाड़ रहीं भारतीय दवाईयां? काबुल के लोगों ने ही किया दावा

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंधों में गिरावट जारी है। ऐसे में अब अफगानिस्तान के लोगों का पाकिस्तानी उत्पादों से भी मोह भंग हो रहा है। एक अफगान ब्लॉगर ने दावा किया है कि अफगानिस्तान में भारतीय दवाईयां, पाकिस्तानी दवाईयों पर भारी पड़ रही हैं और इसकी वजह इनकी गुणवत्ता और कम कीमत है। अफगानिस्तान के लोगों का भारत के प्रति प्यार किसी से छिपा हुआ नहीं है। अब अफगानिस्तान में भारतीय दवाईयां भी पाकिस्तान की दवाईयों की जगह ले रही हैं। अफगानिस्तान के एक ब्लॉगर ने ये दावा किया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अफगान ब्लॉगर ने कहा कि भारतीय दवाईयां गुणवत्ता के मामले में भी पाकिस्तानी दवाईयों की तुलना में बेहतर हैं और सस्ती भी हैं। अफगानिस्तान के ब्लॉगर फजल अफगान ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अफगानिस्तान में सिरदर्द के लिए पाकिस्तान और तुर्किए में मिलने वाली पेरोल टैबलेट मिलती है। जब वह मेडिकल स्टोर पर सिरदर्द के लिए टैबलेट लेने गए तो मेडिकल स्टोर संचालक ने उन्हें भारत में बनी पैरासिटामोल टैबलेट भी दिखाई और बताया कि इसका रिजल्ट ज्यादा बेहतर है और यह पेरोल के मुकाबले काफी सस्ती भी है। अफगान ब्लॉगर ने बताया कि उन्होंने भी मेडिकल स्टोर संचालक की सलाह पर भारत में बनी पैरासिटामोल टैबलेट खरीदी और टैबलेट खाने के 10 मिनट बाद ही उन्हें सिरदर्द से राहत मिल गई। अफगानिस्तान में आमतौर पर रोजमर्रा की चीजें पाकिस्तान से आती हैं क्योंकि दोनों देशों की सीमाएं आपस में लगती हैं और आसानी से व्यापार होता है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में कड़वाहट आई है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद खासकर दोनों देशों के रिश्तों में ज्यादा तल्खी आई है। पहले अफगानिस्तान ने पाकिस्तान–अफगानिस्तान की सीमा को मानने से इनकार किया और इसे विवादित बताया। साथ ही तालिबान समर्थित तहरीक ए तालिबान संगठन द्वारा लगातार पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर आतंकी हमले किए जा रहे हैं। इसके बाद पाकिस्तान ने अपने देश से बड़े पैमाने पर अफगान नागरिकों को निकाला। कुछ माह पहले दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़प भी हो चुकी है। इसका असर व्यापार पर भी पड़ा है। यही वजह है कि अब अफगानिस्तान के व्यापारी पाकिस्तान से अलग अन्य वैकल्पिक देशों से भी व्यापार की संभावनाएं तलाश रहे हैं। भारत हमेशा से अफगानिस्तान की मदद के लिए तैयार रहा है। भारत द्वारा वहां बड़े पैमाने पर अफगान लोगों के लिए विकास कार्य कराए गए हैं। इसके चलते अफगानिस्तान के लोग भारत को बहुत पसंद करते हैं। अब ईरान के रास्ते भारत का कुछ सामान भी अफगानिस्तान के बाजार में पहुंच रहा है। ऐसे में प्रतिस्पर्धा में पाकिस्तान का सामान भारतीय सामान के सामने टिक नहीं पा रहा और यही स्थिति दवाईयों में देखने को मिल रहा है।

तीखे सवाल पर भड़की ट्रंप की प्रेस सचिव, पत्रकार को बता दिया 'वामपंथी'

नई दिल्ली, एजेंसी। व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तीखी नोकझोंक देखने को मिली। गुरुवार, 15 जनवरी को हुई ब्रीफिंग में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट और द हिल के एसोसिएट एडिटर नायल स्टैनज के बीच माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब स्टैनेज ने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) से जुड़े मुद्दों पर लगातार कड़े सवाल दागे। सवालों से असहज दिखीं लेविट ने पत्रकार के रुख पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें (वामपंथी कार्यकर्ता) लेफ्ट–विंग एक्टिविस्ट तक कह डाला। व्हाइट हाउस प्रेस ब्रीफिंग में काफी तनावपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई, जब पत्रकार नायल स्टैनेज ने आईसीई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले साल ICE की हिरासत में 32 लोगों की मौत हुई, यह संख्या एजेंसी के लिए पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा दर्ज की गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एक एजेंट ने रिनी गुड को गोली मारी और उनकी मौत हो गई, और कई अमेरिकी नागरिकों को गलत तरीके से हिरासत में लिया गया। स्टैनेज ने पूछा कि ऐसे में कैसे माना जा सकता है कि प्ब् सबकुछ सही ढंग से कर रहा है। लेविट ने उन्हें रोकते हुए कहा कि रिनी गुड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण रूप से क्यों मारी गई? जब स्टैनेज ने जवाब में कहा कि ICE एजेंट ने बेपरवाह व्यवहार किया, तो लेविट ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्टैनेज को पक्षपाती रिपोर्टर, वामपंथी कार्यकर्ता कहा और आरोप लगाया कि वह तथ्यों के बजाय अपनी विचारधारा को बढ़ावा दे रहा है। लेविट ने कहा कि हां, क्योंकि आप वामपंथी हैं। आप रिपोर्टर ही नहीं हैं। आपको यहां बैठना भी नहीं चाहिए। ब्रीफिंग के बाद लेविट ने फिर सवाल किया कि क्या स्टैनेज के पास गैरकानूनी अप्रवासियों द्वारा मारे गए अमेरिकी नागरिकों की संख्या के बारे में जानकारी है, और तर्क दिया कि आईसीई उन लोगों को हटाने की कोशिश कर रहा है जो अमेरिका में अवैध रूप से हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि आपके पास वे आंकड़े नहीं हैं। मुझे यकीन है कि आपने उन कहानियों को तक पढ़ा नहीं है। लेविट ने पत्रकारों पर आरोप लगाया कि मीडिया में ऐसे लोग हैं जिनकी दृष्टि पक्षपाती और विकृत है, और जो खुद को ईमानदार पत्रकार का ढोंग कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव: हालात पर भारत की पैनी नजर, ईरान-इस्राइल जैसे देशों में लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और जोखिमों को देखते हुए भारत ने ईरान के बाद अब इस्राइल में रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। इस्राइल में बढ़ते तनाव और ईरान में प्रदर्शन के बीच भारत ने नागरिकों से सतर्क रहने, सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और गैर–जरूरी यात्रा से बचने की चेतावनी दी है। सरकार ने इमरजेंसी की स्थिति में तुरंत संपर्क के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई इस एडवाइजरी में कहा गया है कि इस्राइल में मौजूद भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इस्राइली अधिकारियों तथा होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी किए गए सुरक्षा दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की जरूरत है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एडवाइजरी में इमरजेंसी की स्थिति में भारत के एंबेसी की 24•7 हेल्पलाइन से संपर्क करने का नंबर भी दिया गया है। यह चेतावनी तब जारी की गई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है। इस्राइल और ईरान के बीच राजनीतिक और सैन्य तनाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। बता दें कि ईरान में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं और अमेरिका ने देश में सैन्य कार्रवाई के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है। वहीं ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमला करता है तो उनके क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य अड्डे वैध निशाने होंगे। इस तनाव के बीच तेल अवीव और इस्राइल के दक्षिणी व मध्य इलाकों में कई जगह सार्वजनिक शरण स्थलों को खोलने के आदेश दिए गए हैं। एक तरफ जहां इस्राइल को लेकर भारत सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। वहीं दूसरी ओर भारत ईरान में अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की तैयारी भी कर रहा है। बुधवार को भारत के तेहरान स्थित एंबेसी ने भी एक नई एडवाइजरी जारी की। इसमें छात्रों,तीर्थयात्रियों, व्यवसायियों और पर्यटकों सहित इरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को अपनी सुरक्षा के लिए उपलब्ध परिवहन साधनों जैसे कमर्शियल फ्लाइट का इस्तेमाल कर देश छोड़ने की चेतावनी दी गई। एंबेसी ने कहा कि भारतीय नागरिकों को प्रदर्शन और विरोध स्थलों से दूर रहना चाहिए और स्थानीय मीडिया पर नजर बनाए रखनी चाहिए। साथ ही सभी नागरिकों से कहा गया है कि वे एंबेसी के संपर्क में रहें और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहें। वर्तमान अनुमान के अनुसार, इरान में करीब 10,000 भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारत की एडवाइजरी, फलस्तीन नागरिकों को हथियार तस्करी में दो इस्राइली गिरफ्तार

एजेंसी/पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अनिश्चित सुरक्षा हालात को भारत, अमेरिका और ब्रिटेन ने इस्राइल में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तीनों देशों ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। भारत के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए इस्राइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिक सतर्क रहें। दूतावास ने भारतीय नागरिकों को इस्राइली प्रशासन और होम फ्रंट कमान की ओर से जारी सुरक्षा दिशा–निर्देशों और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। इस्राइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट और इस्राइल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हथियारों से जुड़े एक गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। जांच के तहत दो इस्राइल अरब नागरिकों और एक फलस्तीनी व्यक्ति को आतंकियों तक हथियार पहुंचाने के शक में गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को इस मामले की जानकारी सार्वजनिक की गई। गिरफ्तार किए गए लोगों में लोड शहर के रहने वाले 25 वर्षीय हमदान इस्साम अबू लेबेडा और 25 वर्षीय मोहम्मद हसन खलील अमसाद शामिल हैं। इनके अलावा सामरिया इलाके के उर्ता गांव के निवासी 33 वर्षीय अहमद मोहम्मद सालेह अवाद को भी हिरासत में लिया गया है। जांच की शुरुआत तब हुई जब मोहम्मद अमसाद को यहूदिया और सामरिया क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। उसके पास से एम 16 राइफल की 500 से ज्यादा गोलियां बरामद की गईं। गिरफ्तारी के बाद उससे शिन बेट ने पूछताछ की। पूछताछ में अमसाद ने बताया कि ये गोलियां अहमद अवाद को दी जानी थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि अवाद का यहूदिया और सामरिया में सक्रिय आतंकवादी संगठनों से संपर्क है और वह उन्हें हथियार दिलाने में मदद करता है। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) की एक शीर्ष अधिकारी मैडिसन शीहान ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह कदम ओहायो से कांग्रेस (संसद) चुनाव लड़ने के लिए उठाया है। उनका लक्ष्य कांग्रेस में सबसे लंबे समय से सेवा दे रहीं डेमोक्रेट सांसद मार्सी कैप्चर को इस साल होने वाले चुनाव में हराना है। एक वीडियो में आईसीई की पूर्व उपनिदेशक शीहान ने कहा कि उन्होंने अपने एक साल से भी कम कार्यकाल में गैरकानूनी आव्रजन को रोकने के लिए उतना काम किया है, जितना मार्सी कैप्चर ने वॉशिंगटन में अपने 43 साल के करियर में नहीं किया। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को देश की तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की। उन्होंने संसद से ऐसे सुधारों को मंजूरी देने को कहा, जिससे विदेशी निवेश के लिए रास्ता खुल सके। यह बात उन्होंने अपने संबोधन में कही। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब देश के लंबे समय से सत्ता में रहे नेता निकोलस मादुरो को अमेरिका की कार्रवाई के बाद सत्ता से हटा दिया गया है। डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला से होने वाली तेल बिक्री से मिलने वाली आय का इस्तेमाल देश की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेल से होने वाली कमाई संकट से जूझ रहे क्षेत्रों के लिए बेहद जरूरी है। अपने भाषण में रोड्रिगेज ने भविष्य को लेकर एक अलग दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती से अलग रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका के साथ कूटनीति से डरने की जरूरत नहीं है। रोड्रिगेज ने कहा कि उन्हें अब अमेरिका के ट्रंप प्रशासन और पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के प्रति वफादार सरकारी तंत्र के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा।

क्या हमास समर्थक खलील पर अमेरिकी नकेल? ट्रंप प्रशासन बोला- अदालत का फैसला बड़ी जीत

वॉशिंगटन , एजेंसी।अमेरिका की थर्ड सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के फैसले ने फलस्तीनी समर्थक कार्यकर्ता महमूद खलील के मामले को एक बार फिर सियासी और कानूनी बहस के केंद्र में लाकर खड़ा किया है। अपीलीय अदालत ने महमूद की रिहाई के आदेश को रद्द करते हुए ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दो के मुकाबले एक के बहुमत से निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया है। इस फैसले को एक तरफ जहां ट्रंप प्रशासन ने अपनी जीत बताया है। वहीं दूसरी ओर नागरिक अधिकार संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर आघात करार दिया है। अपीलीय अदालत ने कहा कि जिस फेडरल कोर्ट ने खलील की रिहाई का आदेश दिया था, उसके पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार ही नहीं था। अदालत के अनुसार, इमिग्रेशन और डिपोर्टेशन से जुड़े मामलों में अधिकार क्षेत्र केवल इमिग्रेशन कोर्ट के पास होता है, जैसा कि इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट में स्पष्ट किया गया है। इस फैसले के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि यह ट्रंप प्रशासन की एक बड़ी जीत है और अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आतंकवादी संगठनों के समर्थकों को देश के भीतर किसी भी तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं देगी। अपील कोर्ट के फैसले से अब यह रास्ता खुल गया है कि इमिग्रेशन अधिकारी महमूद खलील को दोबारा हिरासत में ले सकते हैं, हालांकि यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू नहीं होगा। खलील ने स्पष्ट किया है कि वे इस फैसले को अंतिम नहीं मानते और आगे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय निराशाजनक है, लेकिन इससे उनका संघर्ष कमजोर नहीं पड़ेगा और वे न्याय और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कानूनी रास्ता अपनाएंगे। इस मामले में एक जज ने बहुमत के फैसले से असहमति जताई। असहमति जताने वाली जज ने कहा कि इमिग्रेशन कोर्ट के पास संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मामलों की पूरी तरह सुनवाई करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि खलील ने अपनी हिरासत के दौरान गंभीर और अपूरणीय नुकसान झेला है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी कोर्ट के इस फैसले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि महमूद खलील की गिरफ्तारी राजनीतिक दमन का उदाहरण है और उन्हें स्वतंत्र रहना चाहिए। नागरिक स्वतंत्रता संगठनों का कहना है कि यह फैसला फेडरल अदालतों की भूमिका को कमजोर करता है और सरकार को असहमति की आवाजों को दबाने का अधिक अधिकार देता है। दूसरी ओर कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि खलील की कानूनी टीम अब पूरे थर्ड सर्किट कोर्ट में पुनर्विचार की मांग कर सकती है और इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच सकता है।

ट्रंप देंगे ईरान को एक और मौका? चार अरब देशों के दखल से बदला अमेरिकी राष्ट्रपति का फैसला

दुबई, एजेंसी। चार अरब देशों ने इस हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव को कम करने के लिए सक्रिय रूप से कूटनीति की। इन देशों को आशंका थी कि अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है, जिससे पूरे क्षेत्र असर पड सकता था। एक खाड़ी देश के अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सऊदी अरब, कतर, ओमान और मिस्र ने अमेरिका और ईरान दोनों पक्षों से बातचीत की। यह प्रयास करीब 48 घंटे तक चला।

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।